हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 307, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 मई, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग के नए वर्जन जैसा : योगी

हर व्यक्ति जानता है बांटों और राज करो की नीति कांग्रेस को विरासत में प्राप्त हुई है

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र कहा जाना अपने आप में हास्यास्पद है। वास्तव में यह अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों के प्रति, भारत की सनातन आस्था के प्रति अन्याय पत्र है। कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग के नए वर्जन के जैसा है। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल का घोषणा पत्र मुस्लिम लीग का प्रतिनिधित्व करता हो, इससे ज्यादा शर्मनाक दूसरा कुछ और नहीं हो सकता। बुधवार को अकबरपुर, फरुर्खाबाद और शाहजहांपुर लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी द्वारा भाजपा पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाए जाने के सवाल पर सीएम योगी ने तल्ख अंदाज में कहा कि सफेद झूठ बोलने की बजाय कम से कम सोनिया गांधी को तो सच बोलने की आदत डालनी चाहिए। चुनाव के दौरान अब वे लोग देश की जनता की आंखों में धूल

झोंककर सत्ता नहीं हथिया पाएंगे क्योंकि मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश एकजुट होकर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के दर्शन के रहा है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी की तरफ से भाजपा पर लगाया गया झूठा आरोप 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' को चरितार्थ करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह हर व्यक्ति जानता है बांटों और राज करो की नीति कांग्रेस को विरासत में प्राप्त हुई है। अंग्रेजों की कुटिल चाल को 1947 में कांग्रेस ने सफल होने दिया और देश का बंटवारा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद राजनीतिक स्वार्थ के कारण जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर देश के अंदर वर्ग संघर्ष को कांग्रेस ने बढ़ावा दिया। आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद, यह सब कांग्रेस की ही देन है। सीएम ने सवालिया अंदाज में कहा कि यूपीए चेयरपर्सन के रूप में सोनिया गांधी ने 2004 से लेकर 2014 के बीच में क्या किया, यह कौन नहीं जानता। कहा कि उस समय क्या यह सच नहीं कि ओबीसी के आरक्षण पर सेंधमारी लगाने के लिए जस्टिस रंगनाथ मिश्रा की कमेटी इन्होंने गठित की थी। और, कमेटी ने संस्तुति की थी कि ओबीसी के आरक्षण में से 6 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों को दे दिया जाय। भाजपा और एनडीए ने उसे समय विरोध किया था और कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए। यही नहीं, एससी-एसटी के अधिकारों पर भी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने घुसपैठ करने का प्रयास किया था। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में मुसलमानों की कुछ जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने का प्रयास भी कांग्रेस सरकार के समय में हुआ था। पर, एनडीए और बीजेपी के विरोध से कांग्रेस के मंसूबे पूरे नहीं हो पाए। सीएम योगी ने कहा कश्मीर में धारा 370 कांग्रेस ने लगाई थी। ओबीसी के आरक्षण में से कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में सेंध लगाने का कार्य कांग्रेस ने किया, यह ओबीसी के अधिकारों का पूरी तरह हनन है। देश को जाति, भाषा, क्षेत्र के आधार पर बांटने की कुचेष्टा कांग्रेस ने की थी। कहा कि अपने घोषणा पत्र में कांग्रेस ने जिस प्रकार की बातों का उल्लेख किया है, यह भारत की सनातन आस्था पर प्रहार तो है ही, समाज में वर्ग संघर्ष की स्थिति को पैदा करने वाला है। कांग्रेस की मंशा भारत की जनता कभी पूरा नहीं होने देगी क्योंकि विभाजनकारी राजनीति किसी के हित में नहीं है।

डिप्टी एसपी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने के यूपी सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने किया खारिज

प्रयागराज। डिप्टी एसपी रतन कुमार यादव को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने का प्रदेश सरकार के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने डिप्टी एसपी को तीन सप्ताह के भीतर सेवा में वापस लेने और उसके सभी बकाया वेतन और भत्तों का भुगतान करने का निर्देश दिया है। रतन कुमार यादव की ओर से दायर की गई याचिका पर न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया आदेश दिया। याची का कहना था कि उसे सरकारी कार्य, कर्तव्यपालन में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। साथ ही दो इंक्रीमेंट 5 वर्ष के लिए रोकने और सर्विस रिकॉर्ड में दो परिनिंदा प्रविष्टि के आदेश दिए गए। स्क्रीनिंग कमेटी ने 7 नवंबर 2019 को याची की अनिवार्य सेवानिवृत्ति को मंजूरी दे दी। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याची को 11 जुलाई 2016 को पुलिस उपाधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया और 18 जुलाई 2016 को जमानिया, जिला गाजीपुर में तैनात किया गया था। याची को वर्ष 1998 में सब इंस्पेक्टर के पद पर रहते हुए मुन्ना बजरंगी गैंग से मुठभेड़ में एक-47 से 5 गोलियां लगी थी। ठीक होने के बाद उसे इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति दी गई। बाद में वह डिप्टी एसपी के पद पर प्रोन्नत हुआ। उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति मेडल भी मिल चुका है। स्क्रीनिंग कमेटी ने इन तथ्यों पर गौर किए बिना अनिवार्य सेवानिवृत्ति का आदेश पारित किया।

'शहजादे के फिलॉसफर गाइड ने मुझे गुस्सा दिला दिया...', तेलंगाना की रैली से पीएम मोदी ने कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। विरासत टैक्स पर टिप्पणी करने के बाद सैम पित्रोदा ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। इस बार इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष ने देश के पूर्वोत्तर और दक्षिण क्षेत्र के राज्यों में रहने वाले लोगों को लेकर टिप्पणी की है। सैम पित्रोदा के इस बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। पीएम मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा,"आज मुझे पता चला कि अमेरिका में शहजादे के अंकल रहते हैं। वो इनके फिलॉसफर गाइड हैं। जिस तरह क्रिकेट में थर्ड अंपायर होता है, वैसे ये शहजादे इस थर्ड प्लेयर से सलाह लेते हैं। शहजादे के अंकल ने कहा कि जिनका चमड़ी का रंग काला होता है वो सब अफ्रीकन हैं। मतलब मेरे देश के अनेक लोगों को चमड़ी के रंग पर गाली दे दिया। चमड़ी का रंग देखकर उन्होंने मान लिया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी अफ्रीकन हैं और इसलिए उनके चमड़ी का रंग काला है तो उन्हें हराना चाहिए।" पीएम मोदी ने आगे कहा,"चमड़ी का रंग कोई भी हो हम श्रीकृष्ण की पूजा करने वाले लोग हैं, जिनकी चमड़ी का रंग हम जैसा है।" प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा,"मुझे कोई गाली दे मुझे गुस्सा नहीं आता है, लेकिन आज शहजादे के फिलॉसफर ने देशवासियों को गाली दी है, जिसने मेरे मन में गुस्सा भर दिया है। क्या मेरे देश में चमड़ी के रंग के आधार पर लोगों की योग्यता तय होगी। संविधान सिर पर लेकर नाचने वाले लोग चमड़ी के रंग पर मेरे देशवासियों का अपमान कर रहे हैं।" सैम पित्रोदा ने देश के पूर्वोत्तर और दक्षिण क्षेत्र के राज्यों में रहने वाले लोगों को लेकर टिप्पणी की है। कांग्रेस नेता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधता वाले देश में सभी एक साथ रहते हैं। यहां पूर्वी भारत के लोग चीन के लोगों जैसे, पश्चिम भारत में रहने वाले अरब जैसे और दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी लोगों जैसे दिखते हैं। लेकिन इसके बावजूद फिर भी हम सभी मिल-जुलकर रहते हैं। हालांकि, सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेस ने सफाई दी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा,"सैम पित्रोदा द्वारा भारत की विविधताओं को जो उपमाएं दी गई हैं, वह अत्यंत गलत व अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रिय कांग्रेस इन उपमाओं से अपने आप को पूर्ण रूप से अलग करती है।"

यूपी में भाजपा को झटका, सपा में शामिल हुए पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार

सोनभद्र। भाजपा के पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार ने लंबे जद्दोजहद के बाद आखिरकार समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। छोटेलाल के सपा में जाने से लोकसभा राबर्ट्सगंज का चुनाव दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। एनडीए गडबंधन के तहत राबर्ट्सगंज सीट अपना दल एस के खाते में चली गयी है। अद ने यहां पर वर्तमान सांसद पकौड़ी लाल कोल की पुत्र वधू व छानबे विधायक रिंकी कोल को प्रत्याशी बनाया है। सूत्रों की माने तो रिंकी कोल लोकसभा चुनाव लड़ने के मूड में नहीं है, दूसरी तरफ चर्चा है कि पकौड़ी लाल कोल भी पार्टी के इस निर्णय से खुश नहीं है। वह अपने बेटे जगप्रकाश कोल को टिकट दिलाना चाहते हैं। इन सब जद्दोजहद के बीच सपा में छोटेलाल के जाने से जनपद के अनुसूचित जनजाति वोटरों में बिखराव होना तय माना जा रहा है। पकौड़ी लाल कोल को लेकर पहले से ही सवर्ण मतदाता नाराज है। इसके पीछे मूल कारण पूर्व में सार्वजनिक मंच से सवर्ण समाज को लेकर किए गए अभद्र टिप्पणी है।

पित्रोदा के बयान से बैकफुट पर आई कांग्रेस, जयराम बोले- दुर्भाग्यपूर्ण व अस्वीकार्य बयान

नई दिल्ली। सैम पित्रोदा द्वारा भारतीयों की तुलना चीनी-अफ्रीकी लोगों से करने वाले बयान पर कांग्रेस बैकफुट पर दिखाई दे रही है। यही वजह है कि सैम पित्रोदा का बयान सामने आते ही पार्टी ने पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता को बताने के लिए जिन उपमाओं का इस्तेमाल किया है, वे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उपमाओं से पूरी तरह असहमत है और इनसे किनारा करती है।' शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पित्रोदा के बयान पर कहा कि 'मैं उनके बयान से सहमत नहीं हूं, लेकिन क्या वे घोषणापत्र समिति के सदस्य हैं? क्या कांग्रेस के स्टार प्रचारक हैं? क्या वे देश में रहते हैं? वे विदेश में रहते हैं। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके मुद्दे को देश का मुद्दा बनाया जा रहा है। एक तरफ देश के मुद्दे हैं और

दूसरी तरफ सैम पित्रोदा ने अमेरिका में क्या कहा। हम इसमें कुछ नहीं कर सकते और न ही ये कोई मुद्दा है और न ही ये देश पित्रोदा के बयान पर प्रतिक्रिया देना चाहता है।' डीएमके नेता टीकेएस एलानगोवन ने पित्रोदा के बयान पर कहा कि 'हम सब साथ है। यहां कई धर्म, संस्कृति, भाषाएं हैं, लेकिन हमने कभी भारत के लोगों में भेद नहीं किया। यह हमारा बयान नहीं है। हम भाषा और संस्कृति की समानता की बात करते हैं और ये मानते हैं कि भारत के हर राज्य में रहने वाले लोग समान हैं। हो सकता है कि वे (पित्रोदा) अपनी बात को सही तरीके से समझा नहीं पाए।' आप नेता संजय सिंह ने कहा कि 'सैम पित्रोदा के बयान का विपक्षी गठबंधन का कोई नेता समर्थन नहीं करता है।' कांग्रेस प्रवक्ता तहसीन पूनावाला ने भी पित्रोदा के बयान पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा 'कांग्रेस पार्टी को यह तय करना पड़ेगा कि क्या सैम पित्रोदा को उनके लिए बोलना चाहिए या नहीं। हर बार वे जब भी बयान देते हैं तो विवाद हो जाता है। अब दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी या पूर्व के लोगों को चाइनीज कहने की क्या जरूरत थी?

एस्ट्राजेनेका ने दुनियाभर से कोरोना वैक्सीन वापस मंगाई, टीके की सुरक्षा को लेकर उठे थे सवाल

लंदन। दुनियाभर में कोरोनावायरस महामारी के दौरान लोगों को टीके मुहैया कराने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने अपना कोरोना का टीका वापस मंगा लिया है। कंपनी ने कहा है कि वह दुनियाभर से अपनी वैक्सजेवरिया वैक्सीन को वापस मंगा रही है। गौरतलब है कि एस्ट्राजेनेका के लाइसेंस वाली कोविशील्ड वैक्सीन ही भारत में भी कोरोना से बचाव के लिए दी गई थी। भारत में लगाई गई कोविशील्ड वैक्सीन भी उसी फामूर्ले पर बनी है, जिस पर वैक्सजेवरिया वैक्सीन बनी है। भारत में कोविशील्ड का निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने किया था, लेकिन अभी तक भारत में कोरोना वैक्सीन वापस लेने का कोई फैसला नहीं हुआ है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, एस्ट्राजेनेका ने दावा किया है कि वैक्सीन का अपडेट संस्करण उपलब्ध है, ऐसे में वैक्सीन के पुराने स्टॉक को वापस मंगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने 5 मार्च को ही वैक्सीन वैक्सजेवरिया को वापस मंगाने का फैसला कर लिया था, लेकिन यह आदेश 7 मई से प्रभावी हुआ। ब्रिटिश-स्वीडिश फार्मास्यूटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका का यह कदम ऐसे वक्त सामने आया है, जब कंपनी ने बीते दिनों ही स्वीकार किया है कि कुछ मामलों में कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट सामने आए हैं और इसकी वजह से कुछ लोगों में थ्रंबोसिस

थ्रंबोसाइटोपीनिया सिंड्रोम बीमारी के लक्षण देखे गए हैं, जिसमें लोगों में खून के थक्के जमने लग जाते हैं। एस्ट्राजेनेका कंपनी कोविड वैक्सीन को लेकर कई मुकदमों का सामना कर रही है। आरोप है कि कोविड वैक्सीन लगने के बाद कई लोगों की जान गई है। जैमी स्कॉट नामक एक व्यक्ति ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

शाहजहांपुर में बोले अखिलेशः 400 पार का नारा देने वालों की भाषा बदल गई; भाजपा को बताया झूठ का शहंशाह

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में सपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 400 पार का नारा देने वालों की भाषा ही बदल गई है। आजकल बड़ी-बड़ी होर्डिंग में डबल इंजन की सरकार का एक इंजन ही गायब हो गया है। भाजपा वालों ने पहले ही स्वीकार कर लिया कि खटारा इंजन को बदल देना है। शाहजहांपुर के बरेली मोड़ स्थित मैदान में सपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा करने आए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झूठ के शहंशाह भाजपा वालों के खिलाफ मतदान कर इनका सफाया कर देना। अखिलेश ने कहा कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री भी शाहजहांपुर आए थे। लखनऊ वाले भी आने वाले होंगे। दोनों सरकारों ने बड़े-बड़े वादे और बातें की। उनका हिसाब-किताब करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव विकसित यात्रा निकालने वाले किसानों को उनकी

फसल का वाजिब मूल्य नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने ऐलान किया कि गठबंधन की सरकार आई तो एमएसपी कानून लागू होगा। साथ ही किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य भी दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने पेपर लीक के मुद्दे को उठाते हुए युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि इस बार नौजवानों ने सोचा था कि पेपर लीक नहीं होगा, लेकिन दो दिन परीक्षा कराने के बाद फिर से पेपर लीक हो गया। सरकार युवाओं को रोजगार और नौकरी नहीं दे पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों ने वोट के लिए राशन में रिफाइंड, दाल और चने तक दिए, लेकिन अब वह बाजरा दे रहे हैं। बोले कि गठबंधन की सरकार बनने पर राशन की मात्रा बढ़ाएंगे, साथ ही पैकेट वाला आटा देने के साथ डाटा भी दिया जाएगा। वह बोले कि सपा सरकार में युवाओं को लैपटॉप दिया गया था। भाजपा वालों ने उसकी भी नकल कर ली। युवाओं को सरकार ने इतनी खराब क्वालिटी का स्मार्टफोन दिया कि उस पर अंगुली घिसते रहो, तब भी नहीं चलता है।

प्रियंका ने रायबरेली में शुरू किया प्रचारः बोलीं- मोदी जी ने आपकी मदद करने की जगह राशन का बोरा पकड़ा दिया

रायबरेली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भाई राहुल गांधी के लिए बुधवार से प्रचार शुरू कर दिया। बछरावां विधानसभा क्षेत्र के फुलवासा में आयोजित नुक्कड़ सभा में प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने आपकी जरूरतें और मदद करने की बजाय पांच किलो राशन का बोरा थमा दिया। पांच किलो राशन से क्या होने वाला है? मोदी सरकार में जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है। अपने संबोधन में प्रियंका ने रायबरेली से अपने परिवार के जुड़ाव का इतिहास भी बताया। उन्होंने कहा कि 103 साल पहले किसान आंदोलन के दौरान नेहरू जी ने यहीं गिरफ्तारी दी थी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह लोग बेरोजगारी और महंगाई जैसे जनता से जुड़े मुद्दों पर बात नहीं करते हैं। कांग्रेस आई तो नौजवानों को रोजगार मिलेगा और ग्रेजुएट को एक लाख रुपये दिए जाएंगे।

'जरा भी गलती की तो ये राममंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगा देंगे', रामगोपाल के बयान पर भड़के शाह

लखीमपुर खीरी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को लखीमपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। सपा नेता रामगोपाल यादव के बयान पर उन्होंने कहा कि ये राम मंदिर को बेकार बताते हैं। जरा भी गलती की तो ये राम मंदिर पर बाबरी नाम का ताला लगाने का काम करेंगे। शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब सपा की सरकार थी। गुंडई चलती थी। जमीनों पर कब्जे होते थे। होली दिवाली के दिन बिजली नहीं आती थीं और रमजान में 24 घंटे बिजली रहती थी। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा वाले झूठा प्रचार कर भाजपा और मोदी को बदनाम कर रहे हैं। यह कह रहे हैं कि मोदी को 400 सीटें दोगे तो आरक्षण चला जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अंदर कांग्रेस को बहुमत मिला।

वहां पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को काटकर मुसलमानों को पांच प्रतिशत आरक्षण दे दिया। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को काटने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया। गृहमंत्री ने संविधान विरोधी मुस्लिम आरक्षण को समाप्त करने की बात कही। गृहमंत्री ने कहा कि राहुल बाबा कहते हैं एक झटके में गरीबी मिटा देंगे। आपकी दादी ने एक झटके आपातकाल लगाया। पिताजी ने एक झटके में तीन तलाक इंट्रोड्यूज किया। आपकी पार्टी ने झटके में पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनने का काम किया। गृहमंत्री ने अपने संबोधन में सीएए का जिक्र कर कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि राहुल बाबा कहते हैं कि हम सीएए हटा देंगे। अरे राहुल बाबा... आपकी नानी भी ऊपर से आ जाएं तो सीएए नहीं हटेगा। विपक्षी गठबंधन पर कहा कि इनके पास तो प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी ही नहीं है। इनके पास न नेता है, न नियत है और न नीति है। सिर्फ परिवारवाद है। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण का चुनाव हो गया है। मोदी 190 सीटें पार कर गए हैं। चौथे चरण में और मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। सपा, कांग्रेस और बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। तीन करोड़ गरीब बहनों को लखपति बनाने का चुनाव है। चार लाख गरीबों को घर देना का चुनाव है। लोगों को समृद्धि बनाने का चुनाव है। शाह ने छोटी काशी, संकटा देवी मंदिर, देवकली मंदिर समेत अन्य मंदिरों को नमन किया। उन्होंने दिवंगत भाजपा कार्यकर्ता सर्वेश वर्मा को श्रद्धांजलि दी।

उड़ानों के रद्द होने पर मंत्रालय ने एयरलाइन से मांगी रिपोर्ट, कहा- तत्परता से करें समाधान

नई दिल्ली। उड़ानों को रद्द करने के मामले में नागर विमानन मंत्रालय ने एयर इंडिया एक्सप्रेस से रिपोर्ट मांगी है। विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन से तत्परता से मामले का समाधान करने को कहा है। मंत्रालय की ओर से एयरलाइन को डीजीसीए के निदेर्शों के अनुसार यात्रियों के लिए सुविधाएं सुनिश्चित करने की सलाह भी दी गई है। इससे पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस की 80 से अधिक उड़ानों को रद्द कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, एयरलाइन के चालक दल के सदस्य बड़े पैमाने पर बीमारी का हवाला देकर छुट्टी पर चले गए हैं। ऐसे में ये उड़ाने रद्द की गईं हैं। नागरिक विमानन अधिकारी इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए हैं। बता दें, टाटा समूह की इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस, एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयरएशिया इंडिया) का खुद में विलय करने की प्रक्रिया में है। इसी को लेकर, पिछले कुछ समय से इस एयरलाइन के चालक दल के सदस्य नाराज चल रह रहे हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के अंतिम समय में रद्द होने और केरल में हवाई अड्डों पर गुस्साए यात्रियों के विरोध प्रदर्शन के बीच राजनीतिक दलों ने सरकार से तत्काल कदम उठाने को कहा है। कांग्रेस और भाकपा दोनों ने बुधवार को इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया को पत्र लिखकर यात्रियों की परेशानियों के बारे में बताया और प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। सतीशन ने अपने पत्र में कहा कि अधिकांश यात्रियों को उड़ानों के रद्द होने के बारे में हवाई अड्डों पर पहुंचने के बाद ही पता चला। उन्होंने लिखा, "मध्य पूर्व की ओर जाने वाले कई लोगों को अपने रोजगार खोने का डर है क्योंकि वे समय पर लौट नहीं पाएंगे।"

संपादकीय

सुलगते जंगल

हिमालयी क्षेत्र पूरे देश के मौसम का नियामक है। उत्तराखंड से निकलने वाली गंगा-जमुना जैसी अनेक सदानीरा नदियां देश की जीवनधारा को सींचती हैं। ग्लेशियरों वाले इलाके में जहां जलभंडार हैं, वहीं समृद्ध जैव विविधता भी। ऐसे में गंगा-जमुना के मायके के जंगलों से लगातार आग के समाचार परेशान करते हैं। मई के पहले सप्ताह में ही आग लगने की करीब साढ़े नौ सौ घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। जिसमें करीब बारह हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र को अग्निकांड से नुकसान हुआ । पांच लोगों के मरने की भी खबर है। यूं हर साल उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की खबरें आती हैं। यह सिलसिला मार्च के अंत से शुरू होकर मई तक चलता है। लेकिन इस बार यह संकट ज्यादा गंभीर नजर आ रहा है। कई जनपदों में दृश्यता में कमी आई है। राज्य सरकार के सीमित संसाधनों व भौगोलिक जटिलताओं के चलते वनों का धधकना जारी है। काबू पाने के लिये वायुसेना व एनडीआरएफ की मदद ली जा रही है। यह एक हकीकत है कि जंगलों के धधकने में मानवीय हस्तक्षेप कहीं न कहीं जरूर होता है। माना जंगलों में गिरने वाली पत्तियों व घास का समय रहते निस्तारण न होने से ज्वलनशीलता तो होती है, लेकिन आग इंसानी लापरवाही या साजिश से ही लगती है। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि नवंबर 2023 से अब तक करीब पौने चार सौ वन अपराधों के मामले पंजीकृत हो चुके हैं। इसमें साठ लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज हो चुकी हैं। इस बात को उत्तराखंड का वन विभाग भी स्वीकार करता है कि 95 फीसदी अग्निकांड के मामलों में मानवीय दखल जिम्मेदार होता है। जिसमें लापरवाही के साथ-साथ इरादतन लगाई गई आग भी शामिल है। इस बार जहां आग लगाने के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, वहीं विभाग के लापरवाह अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ भी लापरवाही के चलते कार्रवाई की जा रही है। दरअसल, अग्निकांडों के बाद कार्रवाई फॉरेस्ट एक्ट व वन्य जीव संरक्षण कानूनों के तहत की जा रही है। इसके अलावा सार्वजनिक व निजी संपत्ति नुकसान क्षतिपूर्ति कानून के तहत भी कार्रवाई होगी। इस संकट को देखते हुए एनडीआरएफ व वायुसेना के हैलिकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। वहीं आईआईटी रुड़की की मदद से कृत्रिम बारिश के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। निश्चित रूप से हर साल जलने वाले सैकड़ों हेक्टयर वनों को आग से बचाने के लिये स्थायी उपायों की जरूरत महसूस की जा रही है। हमें वर्ष 2021 में हुए अग्निकांडों से सबक लेना चाहिए, जब आग लगने की करीब 2813 घटनाओं में करीब चार हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र को क्षति पहुंची थी। अग्निकांडों में आठ लोग मारे गये थे। रोचक तथ्य यह है कि कोविड-19 के दौर में मानवीय आवाजाही कम होने से आग लगने की सबसे कम घटनाएं हुई थीं। दरअसल, सरकारों की प्राथमिकता में पर्यावरण व वन संरक्षण शामिल ही नहीं हो पाया है। वनों के संरक्षण के लिये बजट बहुत कम है और आग बुझाने के पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। पिछले दिनों अग्निकांड की घटनाओं के दौरान वनकर्मियों की ड्यूटी चुनाव के लिये लगाने पर भी सवाल उठे। इसके अलावा एक बात तो तय है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते वातावरण में तापमान बढ़ने से भी आग लगने की घटनाएं बढ़ी हैं। हमें बढ़ते तापमान के साथ प्रकृति संरक्षण के उपायों को बढ़ावा देना होगा। राज्य सरकार को एक सदी से अधिक समय से चली आ रही उस वन पंचायत व्यवस्था को मजबूत करना होगा, जो वन संरक्षण में सदैव सहायक रही है। साथ ही चीड़ के उन पेड़ों के बारे में भी सोचना होगा, जिन्हें अंग्रेज बाहर से लाए थे और उसकी सूखी पत्तियों की आग भड़काने में बड़ी भूमिका होती है। दरअसल, पलायन का दंश झेल रहे उत्तराखंड में कृषि व पशुधन के लिये घास-पात का उपयोग न होने से भी जंगलों में ज्वलनशील स्थितियां बनी हैं। वहीं वन कानून सख्त होने से ग्रामीणों के हितों की अनदेखी के चलते उनकी वनों के प्रति उदासीनता भी बढ़ी है। निस्संदेह, जंगलों की आग वन विभाग ग्रामीणों के सहयोग के बिना नहीं बुझा सकता।

विवाह की गरिमा

देश की शीर्ष अदालत को यदि विवाह जैसे बेहद व्यक्तिगत मामले में परामर्श देना पड़ा है, तो इसका अभिप्राय यही है कि इसके मूल स्वरूप से तेजी से खिलवाड़ हुआ है। कोर्ट को सख्त लहजे में यहां तक कहना पड़ा कि विवाह यदि सप्तपदी यानी फेरे जैसे उचित संस्कार और जरूरी समारोह के बिना होता है तो वह अमान्य ही होगा। निश्चित रूप से अदालत ने यह बताने का प्रयास किया कि इन जरूरी परंपराओं के निर्वहन से ही विवाह की पवित्रता और कानूनी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। दरअसल, हाल के वर्षों में विवाह समारोहों के आयोजन में पैसे के फूहड़ प्रदर्शन व तमाम तरह के आडंबरों को तो प्राथमिकता दी जा रही है, लेकिन परंपरागत हिंदू विवाह के तौर-तरीकों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। आज से कुछ दशक पूर्व हिंदी फिल्मों में हास्य पैदा करने के लिये विवाह से जुड़ी परंपराओं का जिस तरह का मजाक बनाया जाता था, आज कमोबेश वैसी स्थिति समाज में भी बनती जा रही है। वर-वधू द्वारा अपने जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय को शुरू करने के वक्त विवाह के आयोजन में जो शालीनता, गरिमा व पवित्रता होनी चाहिए, उसे खारिज करने की लगातार कोशिशें की जाती रही हैं। यही वजह है कि अदालत को याद दिलाना पड़ा कि हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अंतर्गत विवाह की कानूनी जरूरतों तथा पवित्रता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। जिसके लिये पवित्र अग्नि के चारों ओर लगाये जाने वाले सात फेरे जैसे संस्कारों व सामाजिक समारोह से ही विवाह को मान्यता मिल सकती है। निश्चित रूप से आज विवाह संस्कार की गरिमा को प्रतिष्ठा दिये जाने की जरूरत है। यानी विवाह सिर्फ प्रदर्शन नहीं है। विवाह मजबूरी का समझौता भी नहीं हो सकता। निश्चित रूप से भारतीय जीवन पद्धति में विवाह महज महत्वपूर्ण संस्कार ही नहीं है बल्कि नवदंपति के जीवन के नये अध्याय की शुरूआत भी है। जिसे हमारे पूर्वजों ने बेहद गरिमा व सम्मान के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया है। आज हम भले ही कितने आधुनिक हो जाएं, विवाह से जुड़ी अपरिहार्य परंपराओं को नजरअंदाज कदापि नहीं कर सकते। निश्चित रूप से विवाह को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये पंजीकरण आदि के उपाय इस रिश्ते को अपेक्षित गरिमा देने में विफल ही रहे हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत में न्यायाधीश को कहना पड़ा कि सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह की गरिमा को नहीं समझा जा सकता। यह भी कि हिंदू विवाह सिर्फ नाचने-गाने तथा पाटीर्बाजी की ही चीज नहीं है, यह एक गरिमामय संस्कार है। उसके लिये सामाजिक भागीदारी वाला जरूरी विवाह समारोह भी होना चाहिए। यानी महज पंजीकरण से विवाह की वैधता पर मोहर नहीं लग जाती। निस्संदेह, निष्कर्ष यही है कि पैसा पानी की तरह बहाकर तमाम तरह के आडंबरों को आयोजित करने के बजाय विवाह के मर्म को समझना होगा। इसके बावजूद देशकाल व परिस्थितियों के अनुरूप विवाह पंजीकरण की जरूरत को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। हमें यह भी स्वीकारना होगा कि 21वीं सदी का भारतीय समाज बदलते वक्त के साथ नई चाल में ढला है। नई पीढ़ी की कामकाजी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं और अपनी शर्तों पर विवाह की परंपराओं को निभाने की बात करती हैं। जिसके चलते विवाह संस्था को लेकर कई अदालतों के फैसले सामने आए हैं, जिनकी तार्किकता को लेकर समाज में बहस चलती रहती है। जिसमें कई कर्मकांडों पर नये सिरे से विचार-विमर्श की जरूरत बतायी जाती रही है। मसलन कुछ कथित प्रगतिशील लोग कन्यादान व सिंदूर लगाने की अनिवार्यता को लेकर किंतु-परंतु करते रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें न्यायालय की चिंताओं पर चिंतन तो करना ही चाहिए। यह सवाल रूढ़िवादिता का नहीं है। बल्कि दुनिया के तमाम धर्मों में सदियों से चली आ रही वैवाहिक परंपराओं का आदर के साथ अनुपालन किया जाता है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित रीति-रिवाजों का सम्मान करने जैसा ही होता है। जो नया जीवन शुरू करने वाले वर-वधू को एक आशीष जैसा ही होता है।

उत्तर प्रदेश में नाराज ठाकुरों को मनाने के लिये राजनाथ-शाह ने संभाला मोर्चा

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज की बीजेपी से नाराजगी ने पार्टी आलाकमान को हिला कर रख दिया है। इसी नाराजगी से डरा पार्टी आलाकमान कैसरगंज लोकसभा सीट से बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काटने के बावजूद उनके बेटे को टिकट देने को मजबूर हो गया, वहीं पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मैनपुरी में समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा महाराणा प्रताप सिंह की मूर्ति के साथ छेड़छाड़ की घटना को भी खूब हवा दे रहा है, ताकि क्षत्रिय वोटरों को अपने पाले में खींचा जाये। दरअसल, चार मई को मैनपुरी में अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं द्वारा महाराणा प्रताप की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की गई और उनके हाथ में सपा का झंडा थमा दिया गया था, जिसे बीजेपी के नेताओं ने अपने बयान से बड़ा मुद्दा बना दिया। इसके साथ ही मैनपुरी में राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर अराजकता और उपद्रव करने के साथ ही प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करने वाले सपाई कार्यकताओं पर मैनपुरी कोतवाली में एफआईआर दर्ज हो गई। वहीं, इस घटना से आक्रोशित लोगों ने दूसरे दिन महाराणा प्रताप चौक पर धरना दिया और अराजक सपाइयों के साथ ही सपा के लोकसभा प्रभारी और विधान सभा प्रभारी की गिरफ्तारी की मांग की। महाराणा प्रताप क मूर्ति से छेड़छाड़ की घटना को भुनाने के लिये बीजेपी के साथ उसके अनुवांशिक संगठन भी आगे आ गये हैं।

उधर, ठाकुरों को मनाने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवा चोले से निकल कर बाहर आने को मजबूर हो गये। वह पश्चिमांचल से लेकर पूर्वांचल तक में क्षत्रियों को मनाने की कसरत कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब यूपी के ठाकुरों को मनाने

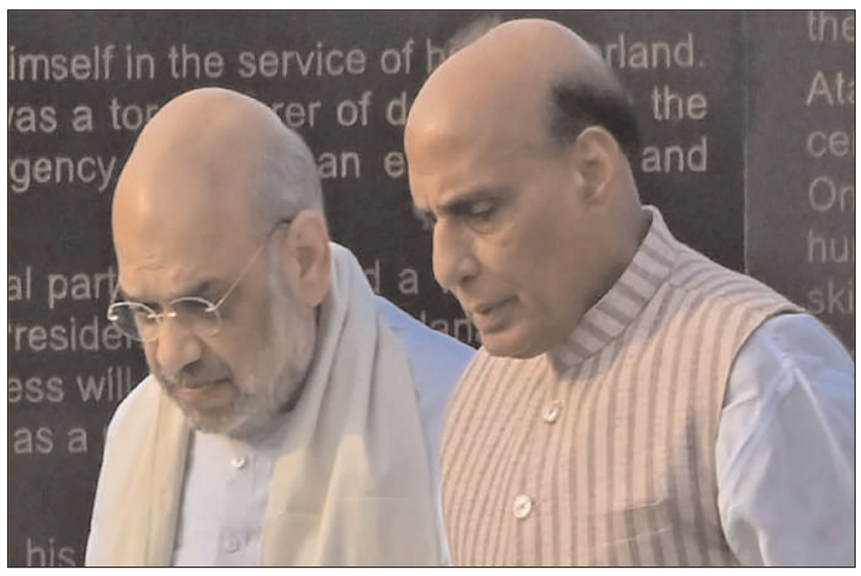

के लिये बीजेपी की केन्द्रीय टीम भी उतर आई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी ठाकुरों को मनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है,तो केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी यूपी में क्षत्रिय समाज के बीच पैठ रखने वाले नेताओं से सम्पर्क में हैं। उधर, कहा यह भी जा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए बीजेपी भले ही दावे कर रही है, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों से कड़ी टक्कर मिल रही है। इसको देखते हुए बीजेपी हर एक सीट पर जीत दर्ज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में अब बीजेपी में वरिष्ठ नेता व गृहमंत्री अमित शाह ने रूठे नेताओं की कमान संभाल ली है। शाह ने पहले बृजभूषण शरण सिंह से बात कर कैसरगंज सीट का हल निकाला और अब जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के मुखिया व कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया से बेहद अहम मुलाकात की है। सूत्रों का कहना है कि अमित शाह ने राजा भैया से मुलाकात कर कौशाम्बी सीट पर उनका समर्थन मांगा है। वहीं राजा भैया ने भी समर्थन देने की बात कह दी है। बता दें, राजा भैया को अपने पाले में लाने का प्रयास करके क्षत्रिय समाज की नाराजगी को कम करने का प्रयास किया है।

बताते चलें कुंडा से विधायक व बाहुबली नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया हमेशा से चाहते थे कि कौशांबी लोकसभा सीट बीजेपी जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के लिए छोड़ दें। क्योंकि चाहे राज्यसभा चुनाव हो या अन्य मौके राजा भैया ने समय समय पर बीजेपी की मदद की है। सीएम योगी की तारीफ से लेकर बीते राज्यसभा चुनाव में सपा के विधायकों की बगावत में राजा भैया का अहम रोल रहा है। इसको लेकर कहीं ना कहीं किसी रूप में बीजेपी ने भी राजा भैया को आश्वस्त भी किया था। राजा भैया कौशांबी सीट से पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार को अपनी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन राजा भैया की बात नहीं बन पाई। बीजेपी ने दो बार के सांसद विनोद सोनकर को फिर से टिकट दे दिया है। कौशांबी लोकसभा सीट में कुंडा और बाबागंज विधानसभा सीट भी आती है, जहां राजा भैया की चलती है। यह दोनों ही सीट राजा भैया के प्रभाव वाली हैं। कुंडा से खुद राजा भैया लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। साथ ही बाबागंज सीट से राजा भैया के करीबी विधायक हैं। ऐसे में जब हर सीट पर कांटे का मुकाबला हो रहा है। अब गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद अगर राजा भैया अगर बीजेपी प्रत्याशी की मदद कर देंगे तो कौशाम्बी सीट से बीजेपी की जीत तय हो जाएगी। कौशाम्बी से बीजेपी के उम्मीदवार की घोषणा करने के बाद से राजा भैया शांत हो गए थे। जानकार बताते हैं कि राजा भैया अंदर ही अंदर रणनीति तैयार कर रहे थे। इससे बीजेपी की मुश्किलें बढ़ सकती थी, इसी को लेकर अमित शाह को मोर्चा संभालना पड़ा। सूत्र बताते हैं कि कुंडा विधायक राजा भैया और गृहमंत्री अमित शाह की मुलाकात बैंगलुरू में हुई थी। बीजेपी जिस तरह से यूपी में एड़ी-चोटी का जोर लगाये हुए हैं उसके आधार पर कुछ राजनैतिक पंडित कह रहे हैं कि असल में अबकी बार बीजेपी का 400 पर का नारा सिर्फ नारा ही लग रहा है, जमीनी हकीकत कुछ और ही है। इसकी भनक बीजेपी नेतृत्व को भी लग गई है। इसको लेकर बीजेपी नेतृत्व बहुत चिंतित है, इसलिए हर सीट पर जीत दर्ज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वहीं राजा भैया समर्थकों और बीजेपी उम्मीदवार विनोद सोनकर के बीच तनातनी की खबरें जगजाहिर है।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

ललित गर्ग

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो-खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने नाइंसाफी के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है।

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है?

राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दशार्ता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं?

भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है।

कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का शहजादा भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के सर्जिकल और एयर स्ट्राइक ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मन्दिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी है।

अमेरिकी बैंक क्यों हो रहे दिवालिया?

प्रह्लाद सबनानी

अमेरिका में वर्ष 2023 में 3 बैंक (सिलिकन वैली बैंक, सिगनेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक) डूब गए थे एवं वर्ष 2024 में भी एक बैंक (रिपब्लिक फर्स्ट बैंक) डूब गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अमेरिकी केंद्रीय बैंक, यूएस फेडरल रिजर्व, द्वारा ब्याज दरों में की गई वृद्धि के चलते बैंकों के असफल होने की यह परेशानी बहुत बढ़ गई है। सिलिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी और यह अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था और हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है। इसी प्रकार, सिगनेचर बैंक ने न्यूयॉर्क कानूनी फर्म एवं अचल सम्पत्ति कम्पनियों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर रखी थीं। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 11,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति थी और अमेरिका में हाल ही के समय में डूबने वाले बड़े बैंकों में चौथे स्थान पर आता है। 31 जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की कुल सम्पत्तियां 600 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं जमाराशि 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर थीं। न्यू जर्सी, पेनसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में बैंक की 32 शाखाएं थीं जिन्हें अब फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में जाना जाएगा क्योंकि फुल्टन बैंक ने इस बैंक की सम्पत्तियों एवं जमाराशि को खरीद लिया है।

पीयू रिसर्च संस्थान के अनुसार, चार शताब्दी पूर्व, वर्ष 1980 एवं वर्ष 1995 के बीच अमेरिका में 2,900 बैंक असफल हुए थे। इन बैंकों के पास संयुक्त रूप से 2.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति थी। इसी प्रकार, वर्ष 2007 से वर्ष 2014 के बीच अमेरिका में 500 बैंक, जिनकी कुल सम्पत्ति 95,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, असफल हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अमेरिका में सामान्यतः बैंक असफल नहीं होते हैं। परंतु, इस सम्बंध में अमेरिकी रिकार्ड कुछ और ही कहानी कह रहा है। वर्ष 1941 से वर्ष 1979 के बीच, अमेरिका में औसतन 5.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 1996 से वर्ष 2006 के बीच औसतन 4.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं एवं वर्ष 2015 से वर्ष 2022 के बीच औसतन 3.6 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकी बैंकों को 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ था। इसके पूर्व, वर्ष 1921 से वर्ष 1929 के बीच अमेरिका में औसतन 635 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। यह अधिकतर छोटे आकार के बैंक एवं ग्रामीण बैंक थे और यह एक ही शाखा वाले बैंक थे। अमेरिका में आई भारी मंदी के दौरान वर्ष 1930 से वर्ष 1933 के बीच 9,000 से अधिक बैंक असफल हुए थे। इनमें कई बड़े आकार के शहरों में कार्यरत बैंक भी शामिल थे और उस समय इन बैंकों में जमाकताओं की भारी भरकम राशि डूब गई थी। वर्ष 1934 से वर्ष 1940 के बीच अमेरिका में औसतन 50.7 बैंक प्रतिवर्ष बंद किए गए थे।

अमेरिका में इतनी भारी मात्रा में

बैंकों के असफल होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल है कि वहां छोटे छोटे बैंकों की संख्या बहुत अधिक होना है। बैंकों के ग्राहक बहुत पढ़े लिखे और समझदार हैं। बैंक में आई छोटी से छोटी परेशानी में भी वे बैंक से तुरंत अपनी जमाराशि को निकालने पहुंच जाते हैं, जबकि बैंक द्वारा इस राशि से खड़ी की गई सम्पत्ति को रोकड़ में परिवर्तित करने में कुछ समय लगता है। इस बीच बैंक यदि जमाकर्ता को जमाराशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है और इस प्रकार बैंक असफल हो जाता है। कई बार बैंकों द्वारा किए गए निवेश (सम्पत्ति) की बाजार में कीमत भी कम हो जाती है, इससे भी बैंकें अपने जमाकताओं को जमाराशि का भुगतान करने में असफल हो जाते हैं। अभी हाल ही में अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी की गई है, जिससे इन बैकों द्वारा अमेरिकी बांड में किये गए निवेश की बाजार में कीमत अत्यधिक कम हो गई है। अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व, का पूरा ध्यान केवल मुद्रा स्फीति को कम करने पर है एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग कम हो और मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाया जा सके। इसके चलते कई कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही है एवं देश में युवा वर्ग बेरोजगार हो रहा है।

पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है। अमेरिका में बैंकों के असफल होने की समस्या मुख्यतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की गई वृद्धि के कारण उत्पन्न हुई हैं। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उत्पादों की मांग को कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करने के स्थान पर बाजार में उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए ताकि इन उत्पादों की कीमत को कम रखा जा सके। प्राचीन भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके कारण मुद्रा स्फीति की समस्या भारत में कभी रही ही नहीं है। बल्कि भारत में उत्पादों की प्रचुरता के चलते समय समय पर उत्पादों की कीमतें कम होती रही हैं। ग्रामीण इलाकों की मंडियों में आसपास ग्रामों में निवास करने वाले ग्रामीण व्यापारी एवं उत्पादक अपने उत्पादों को बेचने हेतु एकत्रित होते थे, सायंकाल तक यदि उनके उत्पाद नहीं बिक पाते थे तो वे इन उत्पादों को कम दामों पर बेचना प्रारम्भ कर देते थे ताकि गांव जाने के पूर्व उनके समस्त उत्पाद बिक जाएं एवं उन्हें इन उत्पादों को अपने गांव वापिस नहीं ले जाना पड़े। इस प्रकार भी विभिन्न उत्पादों की भारतीय मंडियों में मांग से अधिक आपूर्ति बनी रहती थी। अतः उत्पादों की कमी के स्थान पर उत्पादों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता पर ध्यान दिया जाता था, इससे प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मुद्रा स्फीति का जिक्र ही नहीं मिलता है। दूसरे, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक मॉडल एवं नियमों को बहुत जटिल बना दिया गया है। इससे भी कई प्रकार की आर्थिक समस्याएं खड़ी हो रही है जिसका हल विकसित देश नहीं निकाल पा रहे हैं।

नेताजी के वायदों में उलझी जनता बोली 'रेल फाटक नहीं तो वोट नहीं'

भदोही लोकसभा में सरायकंसराय गाँव के लोग नहीं डालेंगे 25 मई को वोट, रेलमंत्री मनोज सिन्हा, सांसद रमेश बिंद और पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने भी नहीं किया गौर

प्रखर भदोही। भदोही की चुनावी फिजा में शोर है। राजनीतिक दलों की रैलियों में गगनभेदी जिंदाबाद है। गरीब है, अमीर, जाति है धर्म है, आरक्षण है, विकास का सपना है। लेकिन बस ! सिर्फ झूठे कसमें और वायदे हैं, मुद्दों की जमीन खाली है। विकास को लेकर लोगों में एक पीड़ा है नेताओं के खिलाफ खींझ है। जनता अब खुद निर्णय ले रही है की उसे कहाँ और किसके साथ खड़ा होना है। आजादी के 75 सालों में जब रेल फाटक की माँग पूरी नहीं हुईं तो जनता का भरोसा उठ गया और लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व में सहभागिता न करने का गाँव की जनता ने फैसला कर लिया। उत्तर प्रदेश का जनपद भदोही खूब सूरत कालीनों के लिए दुनिया में विख्यात है। हजारों करोड़ के कालीन का निर्यात यहाँ से निर्यात होता है। लेकिन यहाँ का विकास बदहाल है और मुद्दों की जमीन खाली है। नेता सिर्फ चुनाव के समय गाँव -गली में दिखते हैं और जीत के बाद फिर जनता के जमीनी मसलों से मुँहमोड़ लेते हैं। बुधवार को गाँव वालों ने पूरे गाँव और बस्ती में रैली निकाल कर यह नारा दिया की 'फाटक नहीं तो वोट नहीं'। भदोही जिला मुख्यालय से तकरीबन 25 किमी उत्तर -पश्चिम स्थिति सरायकंसराय गाँव रेल समपार का निर्माण नहीं हो पाया। गाँव के जिम्मेदार लोग सांसद, रेलमंत्री से कई बार मिलकर अपनी समस्या को अवगत कराया लेकिन समाधान जब नहीं निकला तो 'रेल फाटक नहीं तो वोट' का फैसला करना पड़ा। यह जमीनी सच्चाई है की रेल फाटक न होने से गाँव के लोग बहुत पीड़ित हैं। गाँव की बड़ी आबादी 25 मई को वोट नहीं करेगी पूर्वांचल में सातवें चरण में वोट डाले जाएंगे।

क्या है समस्या ?- भदोही जनपद का सरायकंसराय गाँव सीमावर्ती इलाका है। यह जौनपुर और भदोही की सीमा का इस का छोर में अंतिम गाँव है। बड़ी आबादी वाला गाँव है। वाराणसी -लखनऊ रेलखंड के सुरियावां -सरायकंसराय रेल स्टेशन के मध्य स्थिति है। गाँव के बीच से रेल लाइन गुजरती है जिसकी वजह से गाँव की आबादी दो खंड में विभाजीत हो गईं है। बारिश के मौसम में जब वरुणा नदी में में पानी बढ़ता है तो गाँव का संपर्क जौनपुर से टूट जाता है क्योंकि

नदी पर कोई पुल नहीं है। दूसरी तरफ यह रेल समस्या है। पहले सिंगल रेल लाइन थीं तो गाँव के लोग जोखिम लेकर ट्रैक पार हो जाते थे लेकिन अब डबल होने से यह समस्या और विकराल हो गईं है।

गाँव की क्या है समस्या- गाँव के छात्र -छात्राओं को उच्चशिक्षा के लिए दुगार्गंज, सुरियावाँ और जिला मुख्यालय ज्ञानपुर, भदोही जाने के लिए 10 किमी का चक्कर लगाना पड़ता है। जिसकी वजह से पढ़ाई में जहाँ दिक्कत है वहीं जीवन भी असुरक्षित है। इमरजेंसी में लोग रेल फाटक न होने से अस्पताल नहीं पहुँच पाते हैं। दुगार्गंज पुलिस वक्त पर गाँव में नहीं आ पाती है। शादी -ब्याह और गृहनिर्माण और दूसरी जरूरत के लिए रेल फाटक बड़ी बधा है क्योंकि वाहन गाँव में नहीं आ पाते हैं। गाँव की खेती दो हिस्सों में बट गईं है जिसकी वजह से जुताई-बुआई में दिक्कत होती है। मवेशियों के लिए भारी समस्या है। रेल फाटक न होने से कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। दूसरी तरफ दूसरे रास्ते से जहाँ दूरी बढ़ जाती है वहीं ग्रामीणों को वाहनों का अधिक किराया भी देना पड़ता है। लेकिन राजनेताओं ने कभी जनता की जमीनी समस्या पर ध्यान नहीं दिया।

समस्या ने लिया आंदोलन का रूप- लोकसभा चुनाव की अचार संहिता लागू होने के पूर्व से गाँव वाले मीडिया के माध्यम से अपनी माँग रख रहे हैं। जिला मुख्यालय पहुँच कर तत्कालीन डीएम गौरांग राठी भदोही को समस्या से अवगत भी कराया है। सोशलमीडिया के माध्यम से रेलमंत्री और सम्बंधित अफसरों को भी अवगत कराया गया, लेकिन कोई जिम्मेदार व्यक्ति रेल और शासन के तरफ से ग्रामीणों की समस्या सुनने नहीं आया। चुनावी मौसम में विभिन्न दलों के राजनेता गाँव में आ रहे हैं और आश्वासन दे रहे हैं की आपकी समस्या का समाधान होगा लेकिन गाँव वाले नेताओं से इतना धोखा खाए हैं की अब उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हैं। इस समस्या को लेकर गाँववालों की कई बार बैठक भी हो चुकी है। मंगलवार को गोमतेश्वर मंदिर पर अंतिमबार बैठक हुईं जिसमें आम सहमति से यह निर्णय लिया गया की लोकसभा चुनाव का पूरी तरीके से बहिष्कार किया जाएगा और गाँव के लोग वोटिंग नहीं करेंगे। गाँववालों का कहना है की अब हम नेताओं के झूठे वायदों पर भरोसा नहीं करेंगे। 75 सालों से हम वायदों में लूट -पिट गए। अबकी बार वोट नहीं डालेंगे।

क्या बोले ग्रामप्रधान- सरायकंसराय गाँव के युवा मुखिया यानी ग्राम प्रधान नन्दलाल मिश्र ने बताया की हमारा गाँव 75 साल से इस समस्या को झेल रहा है। गाँव के लोग कितने परेशान हैं यह वहीं जान सकते हैं। हम इस समस्या को लेकर रेलमंत्री मनोज सिन्हा, भदोही सांसद रमेश बिंद पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त और रेल अधिकारियों लिखित रूप से अवगत कराया और व्यक्तिगत समस्या भी बताई लेकिन हमारी माँग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। पूर्व की केंद्रीय और राज्य की सरकारों ने भी हमारी समस्या नहीं सुनी। गाँव वालों की मांग पर आम सहमति से मंगलवार रात में गोमतेश्वर मंदिर पर गाँव वालों की सार्वजनिक बैठक हुईं जिसमें वोटिंग न करने का फैसला करना पड़ा। इस बार हम झूठे वादे पर विश्वास नहीं करेंगे। गाँव के लोग एक जुट हैं हमारी समस्या का निदान नहीं हुआ इसलिए 'रेल फाटक नहीं तो वोट नहीं' की माँग जायज है हम गाँव के साथ हैं।

आकाश से माया खत्म, नेशनल कोआर्डिटनेटर व उत्तराधिकारी की जिम्मेदारी से मायावती ने किया मुक्त!

प्रखर एजेंसी। सीतापुर में भड़काऊ भाषण देना बसपा के नेशनल कोआर्डिटनेटर और बसपा सुप्रीमो मायावती के उत्तराधिकारी आकाश आनंद पर भारी पड़ गया। मायावती ने मंगलवार देर रात उन्हें दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग कर दिया। इसकी वजह उनका अपरिपक्व होना बतायी गयी है। बता दें कि आकाश आनंद ने सीतापुर में जनसभा के दौरान भाजपा नेताओं की तुलना आतंकवादियों से की थी। साथ ही, उन्हें जूतों से मारने की बात कही थी। आकाश आनंद के इस भड़काऊ भाषण के बाद उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था, जिसमें पार्टी के तीन प्रत्याशियों को भी नामजद किया गया था। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए आकाश आनंद की रैलियों के आयोजन पर रोक लगा दी थी। इसके बावजूद वह दिल्ली में पार्टी समर्थकों, छात्रों, शिक्षकों आदि से संपर्क साधते रहे और विपक्षी नेताओं को लगातार निशाने पर लेते रहे। बसपा सुप्रीमो ने मंगलवार को एक्स पर बयान जारी करके उनको नेशनल कोआर्डिटनेटर के पद और अपने उत्तराधिकारी की जिम्मेदारी से हटाने का ऐलान किया। हालांकि उन्होंने आकाश आंनद के पिता और अपने भाई आनंद कुमार को

पार्टी व मूवमेंट के हित में पहले की तरह अपनी जिम्मेदारी निभाते रहने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि बसपा का नेतृत्व पार्टी व मूवमेंट के हित में एवं डॉ. आंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने में हर प्रकार का त्याग व कुबार्नी देने से पीछे हटने वाला नहीं है।

वोटर प्रीमियम लीग में सभी खण्ड विकास खंडों में हुआ मतदाता जागरुकता मैच

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत वोटर प्रीमियर लीग गाजीपुर में आज समस्त ब्लॉकों के चिन्हित क्रीड़ा स्थलों पर विभिन्न ग्राम पंचायत के मध्य मतदाता जागरूकता मैच कराया गया। जिसमें विभिन्न अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में शामिल रहे। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने विकास खण्ड बिरनो के ग्राम पंचायत केलही तियरा एवं सहादतपुर के फाइनल मैच का फीता काटकार एवं खिलाडियों से सम्पर्क कर खेल को प्रारम्भ किया। मौके पर जिला विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी बिरनो उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों द्वारा बड़े ही उत्साह से मतदाता जागरूकता मैच का आनंद लिया गया इस दौरान मतदाता जागरूकता

संबंधित उपस्थित ग्रामवासियों एवं खेल मैदान में खिलाडियों को भी शपथ दिलाई गई। मैच के आयोजन में समस्त विकास खंड के अधिकारी एवं कर्मचारियों महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। मैदान स्थल पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा क्रिकेट मैच खेलकर लोगो को मतदान हेतु जागरूक किया गया। उन्होने जनपदवासियों से अपील किया कि 01 जून को अपने अपने बूथ पर जाकर मतदान अवश्य करेंगे। यह क्रिकेट मैच 04 मई, 2024 से शुरू होकर 10 मई तक समस्त विकास खण्डो में नॉक आउट राउंड चलेगा, जीते हुए खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया जायेगा।

प्रदेश में गुंडे माफियाओं के लिए जगह नहीं, भाजपा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में बोले बाबूराम निषाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विधानसभा के भाजपा बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन आज महाराजगंज के विधानसभा चुनाव कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि हमीरपुर निवासी राज्य सभा सांसद बाबूराम निषाद ने सम्बोधित किया और कहा कि जाति पाति से परे देश व प्रदेश में सुशासन और कानून के राज के लिए भारतीय जनता पार्टी के पूर्ण बहुमत की सरकार बहुत जरूरी है। और इसी व्यवहार व्यवस्था के लिए हम सब बहुत लम्बे समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी की सोच और हमारे संगठनकताओं के विचार थे आज वह काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जमीन पर दिख रहा है? साफ सुथरी और भ्रष्टाचार मुक्त इमानदारी की राजनीति हमारा संकल्प है। यह समय समग्र क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और पूर्णता का है जातिवाद की खाई को पाटने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में किया है। सुशासन व कानून के राज के लिए एक बार पुनः हमें भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनानी है । सबके हक एवं अधिकार को देने का काम भाजपा की सरकार ने किया है यह हमारे गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन प्रत्याशी को धूल चटाना भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का नैतिक दायित्व है और हमे पूर्ण विश्वास है यह काम यहां बैठे हमारे बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता अवश्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में गुंडे माफियाओं के लिए कोई जगह नहीं है, उन्होंने कहा कि मोदी, योगी अगर अच्छा काम कर रहे हैं तो

आप सब की जिम्मेदारी है कि उनके कार्यों को जनता तक पहुंचाएं और सरकार के एक-एक काम की चर्चा करके सबको बताने की जरूरत है।जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने कहा कि मोदी जी की ताकत हमारे कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष हैं जिनके बल पर लगातार तीसरी बार बन रही भाजपा कि सरकार मे गाजीपुर का भी प्रतिनिधित्व होगा, जनता की आवाज बन चुके पारसनाथ राय भारी बहुमत से चुनाव जीत रहे है यह सुनिश्चित हो गया है।जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि गाजीपुर के हर बूथ को जीत कर भाजपा को सदन में बैठाने का संकल्प ले चुके बूथ अध्यक्षों का उत्साह आज यह सिद्ध कर दिया है कि यहां के लोग विकास के गति को तेज करने के लिए पुरी तरह से भाजपा के पक्ष में मतदान करने को तैयार हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय का नामांकन 10 मई को होगा। नामांकन जुलूस आईटीआई मैदान तुलसीपुर से नामांकन स्थल के लिए प्रस्थान करेगा। सम्मेलन को राज्यसभा सांसद डॉक्टर संगीता बलवंत, लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय ,पूर्व मंत्री विजय मिश्रा, पूर्व विधान परिषद सदस्य डॉक्टर केदारनाथ सिंह, डॉ राजकुमार सिंह गौतम, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह अभिनव सिन्हा, राम नरेश कुशवाहा, अश्वनी पांडेय ने भी संबोधित किया । आभार धन्यवाद अच्छे लाल गुप्ता व संचालन विधानसभा संयोजक सुरेश बिना ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, विनोद अग्रवाल, मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा, मनोज बिंद, अमरेश गुप्ता, गोपाल राय, विनीत शर्मा, सुनील गुप्ता, उमेश दुबे, अशोक पांडेय, दिलीप गुप्ता, नितीश दुबे अभिनव सिंह छोटू आदि उपस्थित रहे।

अनोखा मामला! 30 की उम्र में रेप 70 की उम्र में हुई गिरफ्तारी

प्रखर डेस्क। मुंबई पुलिस को 40 साल से छका रहा रेप और अपहरण का एक आरोपी आगरा से पकड़ा गया है । उसने 30 साल की उम्र में मुंबई के डॉ . दादाभाई भड़कामकर मार्ग थाना इलाके की एक युवती से रेप किया था । पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था । मुकदमा शुरू होते ही वह फरार हो गया था । केस दर्ज होने पर वह संपत्ति बेचकर परिवार के साथ फरार हो गया था । उसकी तलाश में लगी मुंबई पुलिस को अब उसके आगरा में होने की जानकारी मिली तो वहां छापा मारा और दबोच लिया गया । एक अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी की पहचान पापा उर्फ दाउद बंदू खान के रूप में हुई है । उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दक्षिण मुंबई के डॉ . दादाभाई भड़कामकर मार्ग थाने के पुलिसकर्मियों की एक टीम ने खान को सोमवार को आगरा में धर दबोचा । अधिकारी ने बताया कि आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया गया और उसे यहां अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1984 में एक महिला की शिकायत के आधार पर खान के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया गया था । खान को मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह जमानत पर रिहा था। जैसे ही मुकदमे की सुनवाई शुरू हुई तो आरोपी एक - दो तारीखों पर अदालत में पेश हुआ लेकिन उसके बाद से वह कभी अदालत में नहीं आया । अदालत ने उसे मामले में भगोड़ा घोषित किया हुआ था ।डीबी मार्ग थाना की एक टीम ने उसकी खोज शुरू फाल्कलैंड मार्ग स्थित उसके आवास पर छापा मारा , जिसके बाद मालूम हुआ कि वह अपनी संपत्ति बेचकर अपने परिवार के साथ शहर छोड़कर चला गया । अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि वह उत्तर भारत के किसी राज्य में छिपा हुआ है। 40 साल तक अलग - अलग थानों की पुलिस टीमों ने उसे खोजने का प्रयास किया लेकिन उसका सुराग नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों को हाल ही में सूचना मिली कि आरोपी अपने परिवार के साथ आगरा में रह रहा है । इसके बाद पुलिस की एक टीम को उत्तर प्रदेश भेजा गया , जहां खान को पकड़ा गया ।

शत प्रतिशत मतदान के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चला रहा महा-अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लोकसभा चुनावों में युवा मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने तथा युवाओ के नेतृत्व में महानगर, जिला मुख्यालयों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण केंद्रों तक शत-प्रतिशत मताधिकार के प्रयोग के लिए एक बड़ा अभियान चला रही है। इसी क्रम में आज उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में स्थित शम्में गौसिया आयुवेदिक महाविद्यालय में संगोष्ठी आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में चिकित्सा विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में अभाविप काशी प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री अभिलाष जी, महाविद्यालय में एजुकेशनल डायरेक्टर नय्यर रिजवी जी,श्री अंकित जायसवाल, जिले के अन्य कार्यकताओं के साथ सैकड़ों विद्यार्थी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश में विभिन्न चरणों में आयोजित लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान के प्रयास हेतु शैक्षणिक संस्थानों, महानगर के विभिन्न प्रमुख स्थानों, ज़िला मुख्यालयों व सेवा बस्तियों में जाकर मतदान के महत्व, लोकतंत्र में भागीदारी की महत्ता को बताते हुए मतदान हेतु प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहे हैं। विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी नुक्कड़ नाटक, लघु संगोष्ठियां, रात्रि चौपाल, सोशल मीडिया पर विभिन्न ग्राफिक्स, रील्स-वीडियो जैसे अलग-अलग रचनात्मक प्रयासों द्वारा मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं।

मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री अभिलाष जी ने कहा कि

भारत का लोकतंत्र आदिकाल से ही पूरे विश्व के लिए आदर्श है। देश में इस लोकतंत्र को निरंतर गतिशील बनाए रखने के लिए शत प्रतिशत मतदान अनिवार्य है। इसीलिए चुनाव के इस पर्व में अपनी भूमिका अवश्य सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे कहा कि रील से बदलने का नहीं रियल में कुछ बदलने का समय है। आज भारत विकासशील भारत से विकसित भारत की तरफ अग्रसर है और इसकी ज़िम्मेदारी युवा मतदाताओं के कंधों पर ही है। विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश व विकसित गाजीपुर की ज़िम्मेदारी हमारी है, हमें ही इसकी कार्य योजना तैयार करनी होगी। देश की संप्रभुता के संबंध में नकारात्मक प्रचार करने वाले व भारत की सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक चेतना का अपमान करने वाले विचार, दल व उम्मीदवार को नकारने के लिए युवा तरुणाई शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करे व लोगों को प्रेरित भी करे। लोकतंत्र के इस महापर्व में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। प्रथम बार अपने मत का प्रयोग करने जा रहे युवा वर्ग के लिए यह विशेष समय है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नय्यर रिजवी ने कहा इस बार के चुनाव में बड़ी संख्या में युवा मतदाता हैं। युवाओं को इस लोकतांत्रिक पर्व के महत्व को समझकर राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। युवाओं को यह भी समझना होगा कि वो नोटा का प्रयोग न करें तथा सबसे उपयुक्त प्रत्याशी का चयन करें। अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करते हुए बताया कि इस समाज में बहुत सारी नकारात्मक शक्तियां भी चुनौती के रूप में विद्यमान हैं जो जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद जैसे नकारात्मक कारकों द्वारा लोकतंत्र पर चोट करने का प्रयास कर रही हैं, ऐसी शक्तियों का कड़ा प्रतिकार करने की जिम्मेदारी भी युवा मतदाताओं पर सबसे ज्यादा है। इसीलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि राष्ट्रवाद को सबसे ऊपर रखते हुए मतदान करें और देश के विकास की गति को बनाए रखने में सहयोग करें। इस दौरान संस्थान के सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रमुख कार्यकताओं की उपस्थिति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए शत प्रतिशत मतदान के लिए आगे आने हेतु प्रण लिया।ऊक्त कार्यक्रम में विपुल, ईशान, सुशील यादव, राम प्रकाश मिश्र आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा चुनाव हेतु नामांकन के दूसरे दिन 06 ने लिया नामांकन पत्र, 01 ने किया पर्चा दाखिल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 75-गाजीपुर संसदीय लोक सभा क्षेत्र हेतु आज दूसरे दिन नामांकन स्थल से जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष कलेक्ट्रेट से 06 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। जिसमें ललित मोहन निर्दल 01 सेट, जगत मोहन 01 सेट, चन्द्रकेश निर्दल 01 सेट, जावेद खान हमदर्द पार्टी(निर्दल) 01 सेट, सिंहासन निर्दल 01 सेट, सुधीर सिंह जायसवाल निर्दल 01 सेट नामंकन पत्र लिया गया। इसके क्रम जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी के सम्मुख निर्दलीय प्रत्याशी भारतीय लोकवाणी पार्टी धनंजय कुमार तिवारी पुत्र कृष्णानन्द तिवारी ग्राम डुहियां जमानियां गाजीपुर द्वारा 01 सेट में नामांकन पत्र भरकर दाखिल किया गया।

अधिवक्ता आफताब अहमद खां के निधन पर हुआ शोक सभा का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को वरिष्ठ अधिवक्ता आफताब अहमद खा आकस्मिक निधन होगया इसकी सूचना मिलते ही सिविल बार मे एक शोक सभा का आयोजन गोपाल जी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ' मृतात्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए सामूहिक रूप से न्यायिक कार्य से विरत रहने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से लिया गया साथ ही शोक सभा दुख व्यक्त करने वाले अधिवक्ताओ में मुख्य रूप से रणजीत सिंह रामपूजन सिंह सीताराम राय उपाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव, राजेंद्र विक्रम सिंह एवं सिविल बार के पदाधिकारी चंद्रमोहन सिंह, अजय सिन्हा सहित अधिवक्तागण उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन महासचिव रामकृष्ण पाण्डेय ने किया।

अक्षय तृतीया पर्व पर रोके जायेंगे बाल विवाह, जागरुकता के लिए होंगे कार्यक्रम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया है कि अध्यक्ष राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली द्वारा अक्षय तृतीय अवसर संभावित हाने वाले बाल विवाह रोके जाने के निर्देश दिये गये है। आयोग के निर्देश के क्रम में 10 मई 24 को पड़ने वाले अक्षय तृतीया के पर्व पर जनपद में होने वाले संभावित बाल विवाह रोके जाने हेतु विभिन्न माध्यमों द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम करने, बाल विवाह के बुराईयों एवं बाल विवाह प्रतिषेध के बारे में जनमानस को अवगत कराना है। संभावित बाल विवाहों पर कडी नजर बनाये रखने एवं बाल विवाह के सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्यवाही हेतु पुलिस विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, सम्बन्धित बाल पुलिस अधिकारी व ग्राम प्रधान को सूचित करें ताकि बाल विवाह को रोका जा सके।

सुरक्षा में लगी सेंध, यूनियन बैंक शाखा के अंदर से 38 हजार की हुई उचक्कागिरी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वैसे तो दावा कानून व्यवस्था चाक चौबंद का है। रामराज देश में आ चुका है या आने ही वाला है। लेकिन चोर, उचक्के, लुटेरे, हत्यारे अपनी वाली कर ही रहे हैं। बाद में पुलिस लकीर पीटती रहती है। अब इस वाकये पर नजर डालिए। भांवरकोल थाना क्षेत्र के मलिकपुरा निवासी संजय कुमार राय पुत्र स्व.बृजभूषण मुहम्मदाबाद स्थित यूनियन बैंक की शाखा में मंगलवार को 68000 रुपए जमा करने गए थे।उचक्कों ने बैंक के अंदर उन्हें झांसा देकर 38 हजार रुपए ले लिया और वहां से फरार हो गए। घटना से हक्का बक्का हुए संजय ने अपनी आप बीती बैंक के कर्मचारियों अधिकारियों को बताई। बैंक की ओर से घटना की सूचना मुहम्मदाबाद थाने को दी गई। यहां पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किया। जो संदिग्ध युवक दिखे उन्हें बैंक कर्मचारी भी पहचान रहे थे। उनका कहना था कि यह युवक अक्सर बैंक में दिख जाते हैं। संजय ने अपने साथ हुई घटना की तहरीर पुलिस को दे दिया है। लेकिन पुलिस अभी उचक्कों तक पहुंच नहीं सकी है।

बृजेश सिंह की हत्या में शामिल एक और आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

सिकन्दरपुर (बलिया)। खेजुरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत खड़सरा के सहरसपलिया निवासी बृजेश सिंह की हत्या में शामिल एक और आरोपी को पुलिस ने उसके बहन के घर से गिरफ्तार कर लिया है। बृजेश सिंह की बीते गुरुवार को दिन में लाठी डंडा व लोहे के रम्मा से पीटकर हत्या कर दी गयी थी। इस मामलें में पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ हत्या समेत अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस हत्याकांड के पांच आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी है। दो फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी थी। वहीं पुलिस को मुखबिर के जरिए जानकारी हुई कि हत्यारोपी खेजुरी के बंजाराबारी निवासी विपिन सिंह उर्फ करताल अपनी बहन के घर नगरा थाना क्षेत्र के छितौना गांव में छिपा हुआ है। पुलिस ने सोमवार की शाम आरोपी के उसके बहन के घर से गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया।

लोकसभा युवा सम्मेलन आयोजन

चितबड़ागांव। लोकसभा युवा सम्मेलन का आयोजन मंगलवार को फेफना विधानसभा के अन्तर्गत चितबड़ागांव मोड़ पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधानपरिषद सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी युवा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चित्र पर पुष्पांजलि दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस मौके पर जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष अविनाश सिंह लीटिल,ने आये हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह,मन्डल अध्यक्ष मोतीचंद गुप्ता,युवा मोर्चा मन्डल अध्यक्ष रोहित उपाध्याय, प्रशांत राय, पूर्व विधायक धनंजय कनौजिया,अरुण सिंह बन्टू, संतन चौबे,रंजीत राय बडे ,सुधीर मौर्या, सहित लोकसभा क्षेत्र के हजारों कार्यकताओं उपस्थित रहे।

बलिया में स्वर्णकार समाज का सम्मेलन हुआ सम्पन्न

बलिया। जनपद के रसड़ा में आयोजित स्वर्णकार समाज सेवा समिति के बैनर तले स्वर्णकार समाज का सम्मेलन सोमवार को बड़े ही उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजक वशिष्ठ नारायण सोनी (पूर्व नगर पालिका चेयरमैन) रसड़ा रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर (उत्तर प्रदेश शासन), सत्यनारायण सेठ (प्रदेश अध्यक्ष- उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ), विशिष्ट अतिथि शैलेश वर्मा (प्रदेश महामंत्री) रहे।

मदर्स डे

मॉम के लिए उपहार

मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। यह उन असाधारण महिलाओं का जश्न मनाने का समय है, जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और अपनेपन से आकार देती हैं। मां को यह दिखाने के लिए थोड़ा प्रयास करें कि वह आपके लिए कितना मायने रखती है। ऐसे उपहार के साथ जो उनके दिल और आत्मा से बात करता है। उनके दिन को खास और अधिक यादगार बना दे। मां को उपहार तो दें पर उनके साथ वक्त बिताना न भूलें-

कलाकृति या मूर्ति

अपनी मां को कोई सुंदर कलाकृति या मूर्ति उपहार में देने पर विचार करें, जो उनके व्यक्तित्व से मेल खाती हो। ऐसे कलाकृति की तलाश करें, जो उनकी रुचियों को दर्शाते हों या उनकी पुरानी यादों को दर्शाते हों, जो उनके रहने की जगह में सुंदरता और प्रेरणा का स्पर्श जोड़ते हों।

चादर

जब मां को यह दिखाने की बात आती है कि वह आपके लिए कितना मायने रखती है, तो चादर उपहार बहुत कुछ कह सकता है। आराम और गुणवत्ता से लेकर व्यक्तिकरण और शैली तक, चादर आदर्श उपहार है। विलासिता और आराम के उपहार पर विचार करें।

परफ्यूम

मां को बेहतरीन परफ्यूम गिफ्ट करें, जो उन्हें अच्छा महसूस कराएगी और अच्छी यादें ताज़ा करेगी। सिग्नेचर परफ्यूम गिफ्ट करें, जो उसकी अनूठी शैली और व्यक्तित्व को दर्शाती हो।

प्रकाश /कला उपकरण

स्टाइलिश प्रकाश, कला सहायक उपकरण के साथ मां के घर की सजावट में उनकी मदद करें, जो घर की रौनक भी बढ़ाए और जिससे मां के चेहरे पर भी खुशी रहे। ऐसे उपकरण चुनें, जो उसकी मौजूदा सजावट को और भी निखारे, साथ ही विश्राम और जुड़ाव के लिए आरामदायक माहौल बनाएं।

आरामदायक कुशन

मां को बेहतरीन कुशन के साथ आराम का उपहार दें, जिसे वह जब भी आराम के पल साथ ले सकें। मुलायम कपड़े या आकर्षक पैटर्न का चुनाव करें ताकि जब भी वह उपयोग करें उन्हें आपके प्यार और विचारशीलता की याद आए। ■

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

स्कूलों में बम की साजिश

हाल ही में दिल्ली/ एनसीआर के करीब दो सौ स्कूलों में मेल भेजकर सूचना दी गई कि उनके स्कूल में बम रखा है। सूचना मिलते ही जैसा होना था, अफरा-तफरी मच गई। चिंतित माता-पिता स्कूलों की तरफ दौड़ गए। वे घबराए हुए थे। पता नहीं, उनके बच्चों का क्या हो। बहुत से बच्चे भी रोते दिखे। यहां तक कि टीवी पर जो लोग इस खबर को देख रहे थे, वे भी दहशत से भर उठे। पुलिस भी हरकत में आई। खोजी कुत्तों का सहारा लिया गया। दमकल कर्मचारी भी मौके पर उपस्थित रहे। स्कूलों के बाहर माता-पिता की भीड़ के कारण जाम लग गया। लगभग सात घंटों की जांच के बाद पुलिस को किसी भी स्कूल में कुछ नहीं मिला। पुलिस ने लोगों को समय-समय पर ढांढस बंधाया। कहीं कुछ नहीं मिला। सारे बच्चे सुरक्षित है, यह भी बार-बार कहा गया। गृह मंत्रालय ने भी इसे अफवाह कहा। पुलिस ने कहा कि इस तरह का मेल भेजने का मतलब शहर में अफरातफरी का माहौल बनाना था। वैसे भी चुनाव का समय है। कब कहां क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे समय में अफवाहें किस तरह से आग लगा सकती है, इसे समझा जा सकता है। दिल्ली से पहले बंगलुरु चेन्नई, कोलकाता में भी ऐसी ही घटनाएं हो चुकी है।

सोचने की बात है कि आखिर वे कौन नृशंस लोग है, जो बच्चों को सहज शिकार समझते है। बच्चों पर हमला करके वे ज्यादा से ज्यादा डर फैलाना चाहते है। भीड़-भाड़ वाले इलाके, बाजार, स्कूल,

माल्स, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे इनके सहज निशाने होते है। पाकिस्तान के एक स्कूल में आतंकवादी हमला हो भी चुका है। अभी तो मान लिया कि चलिए यह झूठी धमकी थी और किसी भी बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। लेकिन ऐसी धमकी कब सच हो जाएगी कौन जाने। सोचने की बात यह है कि जिस हिसाब से दिल्ली/ एनसीआर में स्कूल बढ़े है, क्या उस हिसाब से वहां सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध मौजूद है। क्या वहां ऐसे रास्ते बनाए गए है, जिन्हें किसी आपदा के वक्त इस्तेमाल किया जा सके। क्या बच्चों को उनके इस्तेमाल के बारे में पता है। क्या इन स्कूलों में समय-समय पर ऐसी मॉक ड्रिल्स होती है, जहां बच्चे किसी मुसीबत से बचने की काबलियत सीख सकें। इसके अलावा स्कूलों में किसी अनजान के आने-जाने पर कितना प्रतिबंध है। कितनी सुरक्षा जांच होती है। क्योंकि अगर यह मान भी लें कि ऐसी धमकियां मात्र डराने के लिए होती है तो यह भी सच है कि कब धमकी सच में बदल जाती है, कह नहीं सकते। मान लीजिए कि कोई दुर्घटना अगर स्कूल में हो जाए, न केवल कोई आतंकवादी घटना बल्कि आग लगना या भूकंप आया तो उनसे कैसे बचा जाए, इस मामले में न केवल बच्चों बल्कि अध्यापकों-अध्यापिकाओं के भी प्रशिक्षण की जरूरत है। जिन स्कूलों में छात्रावास है, वहां की सुरक्षा और अधिक चाक-चौबंद होनी चाहिए।

जिन लोगों ने यह मेल भेजा, उन्हें इसके प्रभाव का भी पता रहा ही होगा। बताया जा रहा है कि इसे रूस से भेजा गया था और इसमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी का हाथ है। लेकिन यह मानकर नहीं बैठा जाना चाहिए कि ऐसे अपराधों में सिर्फ बाहर वाले शामिल होते है। देश में भी ऐसे अराजक तत्वों की कोई कमी नहीं है, जो किसी न किसी बहाने समाज में वैमनस्य पैदा करना चाहते है। बच्चों से ज्यादा ईजी टारगेट कोई होता नहीं। इसलिए इस बारे में भी गहन जांच हो कि कहीं इस साजिश में अपने यहां के तो कुछ लोग शामिल नहीं थे। अगर वे थे तो, वे कौन लोग है। ■

कोष्ठकों के दरम्यान मांएं

खरी खरी

■ मनीषा

मांएं खुश हैं। कुछ मांएं इंतजार में हैं। कुछ संकोचवश सोचने में भी हिचक रही हैं। ऐसी भी मांएं हैं, जो बेफिक्र हैं। बच्चे और वयस्क भी तैयारियों में हैं। हों भी क्यों न इतवार को मदर्स डे है। भले ही माताओं के लिए यह उतना पुराना नहीं है, जितने अपने तमाम पर्व-त्योहार। नयी पीढी के लिए ये सारे पर्व उत्साह भरे हैं। उनमें गजब का रोमांच है। बल्कि अब तो वे माताएं भी मदर्स डे को लेकर उत्साही नजर आती हैं, जिन्होंने अपनी युवावस्था इसके बारे में सुना भी नहीं था। दुनिया भर के बाजार उपभोक्ताओं को लुभाने केलिए तरह-तरह के प्रोडक्ट के प्रचार में जुट चुकी हैं। विभिन्न अखबारों, पत्रिकाओं और इंटर-नेट पर मां को देने लायक जिन उपहारों की बात करते हैं। वे काफी बचकाने होते हैं। जो बताते हैं, मां को कॉफी मग, कुशन, वॉस, गिफ्ट वाउचर, स्पा/ पार्लर ले जाएं या डिनर पर ले जाएं। ये सब काफी पारंपरिक चीजें हैं। मांओं को उसी दकियानूसी दायरे में कैद रखने की रस्म है यह। हालांकि कुछ न देने से तो बेहतर ही है। याद आ रहा है, मैं तकरीबन बारह-चौदह साल की ही थी। मेरी मां का जन्मदिन था, जिसे कभी मनाना तो दूर, याद भी नहीं किया गया था। ऐसा ही था तब, यह कोई अनूठी बात नहीं थी। मैंने उनके लिए सूजी का हलवा बनाया। जिसे देख, उनकी आंखें भर आयीं। ऐसी छोटी-छोटी बातें भी मां की कोमलता को लबालब कर देती हैं। मां भी तो कभी अपने खांचे को तोड़ कर बाहर निकलना चाहती होगी। उसे भी तो तब्दीलियां बेहतर लग सकती हैं। वह जिस क्षण या जिस वक्त को नहीं जी सकी, जिनके बारे में वह सोचती भी नहीं है, उसे उनसे रू-ब-रू कराने के भी प्रयास नौजवानों द्वारा होने की जरूरत है। सिर्फ जींस-स्कर्ट या टीशर्ट पहन कर मां नहीं बदलती। मां को बदलना भी नहीं है। बस उसे उसकी अहमियत का अहसास कराना है। कहने को तो मांएं बहुत बदल रही हैं परंतु अभी भी बहुत से कोष्ठक हैं, जहां वह पिंग-पांग कर रही है। उसे उन दकियानूसी दायरों से मुक्त करना है, जो उसके बढते कदमों को थाम लेते हैं। मां को मां बनाये रखने में कोई समझदारी नहीं है। वह मां होते हुए भी बहुत कुछ हो सकती है।

विभिन्न अखबारों, पत्रिकाओं और इंटर-नेट पर मां को देने लायक जिन उपहारों की बात करते हैं। वे काफी बचकाने होते हैं। जो बताते हैं, मां को कॉफी मग, कुशन, वॉस, गिफ्ट वाउचर, स्पा/ पार्लर ले जाएं या डिनर पर ले जाएं। ये सब काफी पारंपरिक चीजें हैं। मांओं को उसी दकियानूसी दायरे में कैद रखने की रस्म है यह

मैं महसूस करती हूं, नयी पीढी जितनी नये ढंग में रच-बस रही है, पुरानी को तब्दीलियां लाने में उतनी ही दिक्कत आ रही है। अपने समाज में मां को हमेशा अपने पद को संभालना पड़ता है। जी हां, पद मां का। जिससे वह कभी रिटायर नहीं होती। अपने मांपन को लादे-लादे वह दुनिया से रुखसत हो जाती है। कुछ माताएं कोशिश करती हैं, अपने वयस्क बच्चों से दोस्ताना बनाने का। हालांकि वे असफल ही रह जाती हैं। यह मां निरुपा राय से शुरू होकर आज की सीइओ/बैंकर या मांओं में तब्दील हो रही है। उसकी प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। उसके भीतर बच्चों को ढंग से न पालने का गिल्ट समाज/परिवार द्वारा बार-बार ठूंसा जा रहा है। इसे बदलना होगा। वह कुछ भी हो, किसी भी कैरेक्टर में हो पर बच्चों के जीवन के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहती है। मेरे परिवार में दो मांओं ने इधर के कुछ सालों में अपने जवान बच्चों को अपनी किडनी दी। वे खुश हैं। उतनी ही खुश, जितनी उनके जनम के वक्त रही होगीं। एक ने बेटे को दी, दूसरी ने बेटी को। दोनों की किडनी यानी गुर्दे काम नहीं कर रहे थे। लंबे इलाज के बाद साठ साल से ऊपर जा चुकी मांओं ने अपनी किडनी देकर उन्हें दोबारा जीवन दिया। जिस पर उन्हें जरा घमंड नहीं। दोनों ही प्यार दुलार के साथ तमाम एहतियात बरतते हुए, दवाएं खाते, दुआएं देते जीवन काट रही हैं। हालांकि कभी उन मांओं के बारे में बात नहीं की जाती। जिन्होंने अनचाहे बच्चे जने। वे लड़कियां जिन्हें बलात्कार के बाद गर्भ गिराने की इजाजत नहीं दी जाती। उनकी पीड़ा, ममतालूपन और सामाजिक तिरस्कार की अनदेखी की जाती है। उनके अनचाहे गर्भ और उस जचगी को समझना बेहद कठिन है।

मां की महानता को त्याग, तपस्या या ममता को मापने का कोई पैमाना नहीं है। यह अहसास है।हालांकि ऐसी मां भी है, जिसने पति की नाराजगी में अपने छह साल के बच्चे को तालाब में फेंक दिया। यह तालाब मगरमच्छों से भरा है। बच्चा बोलने में अक्षम था। छब्बीस साल की इस आवेशित स्त्री को अपनी कोख जाये मासूम पर गुस्सा निकालने में तनिक दुलार नहीं उमड़ा? सौतेली मांओं के क्रोध, उपेक्षा व तिरस्कार भरे भाव पर बहुत कुछ लिखा व फिल्माया जाता रहा है। मगर ऐसी भी मांएं हैं, जिनकी सोच/ बर्ताव पर किसी ने नजर ही नहीं डालनी चाही। कोख का महत्व नकारा नहीं जा सकता।

पशु-पक्षियों में भी हम देखते हैं, जन्मदात्री अपने नौनिहालों को लेकर अतिसंवेदनशील रहती है। उनके लिए दाना चुगने से लेकर, दुग्धपान कराने और शिकार खींचकर लाने की जिम्मेदारी वे भी पीढी-दर-पीढी निभाती आ रही हैं। उन्हें तो कोई प्रशिक्षण नहीं दिया जाता, वे कोई किताब नहीं बांचते। मगर अपनी अगली पीढी को हर मादा बहुत लगनपूर्वक पालती है। मेरी मम्मी की बचपन की दोस्त हैं। जिन्होंने शादी नहीं की। ऐसे शख्स के साथ आशिकी रही, जो पहले से विवाहित था। उसने उन्हें बच्चे न जनने के लिए राजी किया। उनकी बहन, जिसकी कम उम्र में ही शादी हो गयी थी, जवानी में ही विधवा हो गयी। उसके बेटे ने मां को पास नहीं रखा। आज दोनों बहनें साथ हैं। दोनों की जिन्दगी एक-दूसरे से विपरीत है। मगर इससे सबक लिया जा सकता है। मदर्स डे हो या न हो, दोनों बुजुर्ग बहनों के जीवन की शून्य उन्हें सालता है। मां न बनने की पीड़ा, उस माता से कम ही है, जिसके बेटे ने बिला-वजह मुंह मोड़ लिया। यूं तो जिस कोख से जन्म लिया जाता है, वह हमेशा ही बेशकीमती होती है। अपने यहां परिवार का महत्व अभी भी कमजोर नहीं पड़ा है। कुछ लोग हैं, जो इसके महत्व को स्वीकारने में हिचकते हैं या कहूं तो वे परिवार से दूरियां रखते हैं। मगर उनकी संतुष्टि और प्रेम में हमेशा रिक्तता नजर आती है। विशेषज्ञ मानते हैं, मानसिक सुकून के लिए परिवार और दोस्त ही सबसे बड़ी नेमत हैं। इसी हफ्ते मैं खबरें पढ रही थी, एक मां ने अपनी बच्ची के बलात्कारी की जान ले ली। उसके गुस्से, पीड़ा और आवेश को समझा जा सकता है। मां से ज्यादा इस पीड़ा को कौन समझ सकता है? जो न्याय के इंतजार में खुद को रोक नहीं पायी। इस मां को किसी मदर्स डे की जरूरत नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो इन उत्सवों के प्रति नाराजगी दिखाते हैं। मगर मां-बाप, भाई-बहन, दोस्त व प्रेमियों के नाम पर मनाये जाने वाले ये खास दिन सबको करीब लाते हैं। उनके महत्व का अहसास कराते हैं। उनके प्रति कृतज्ञता है। अपनापन बांटते बढता है। एक-दूसरे के प्रति समर्पण, प्यार, अहसास दिखाकर इन्हें बढाया जा सकता है तो इसमें समस्या ही क्या है? पितृऋण की तो अपने यहां खूब चर्चा होती रही है मगर मातृऋण को दर-किनार कर दिया गया। मेरी समझ में इस मातृऋण से स्त्री तो कुछ हद तक मुक्त हो जाती है, जब वह खुद मां बनती है। मगर यह पुरुषों के लिए उधार ही रह जाता है। इससे मुक्ति का साधन सिर्फ मृत्योपरांत के कर्मकांडों में न तलाशें। बल्कि अपनी जीवनदायनी को कभी किसी रोज अहसास दिलाएं, उसके होने का और अपने भी होने का। ■

आम बर्फी

सामग्री : 5- 6 बड़े आम का रस, दो कप बेसन, दो कप चीनी, दो कप घी, एक कप फ्रेश मलाई, एक कप सूजी, एक चम्मच पिसी इलायची, एक कप काजू, बादाम, किशमिश

विधि- कढ़ाही में घी पिघला कर बेसन, सूजी डालकर धीमें आंच पर भून लें। मिश्रण को तब तक चलाते रहें जब तक सुनहरा रंग न आ जाए। धीरे-धीरे आम रस और चीनी मिलाएं। कुछ देर तक चलाएं फिर इसे ढक कर आंच बंद कर दें।

अनिता घोष

20 मिनट बाद फिर मीडियम आंच पर इस सूजी में आम मिश्रण व फ्रेश क्रीम डाल दें। थोड़ी देर तक चलाएं। जब मिश्रण कढ़ाही छोड़ने लगे तब गैस बंद कर उसमें कटे काजू ,बादाम, किशमिश मिला कर ढक दें। ठंडा होने पर उसमें इलायची पाउडर मिलाकर थाली में फैला लें। यह जम जाएगा फिर चाकू की सहायता से बर्फी के आकार के चौकर काट लें।

चटपटा बड़ा

सामग्री : 200 ग्राम सूजी, 100 ग्राम चावल का आटा, 100 ग्राम मैदा, एक चम्मच खाने वाला सोडा, 5 हरी मिर्च बारीक कटी, 2 मध्यम आकार की प्याज बारीक कटी, 2 चम्मच बारीक कटी हरी धनिया, 2 चम्मच कड़ी पत्ता, 3 चम्मच घी, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल

विधि : तेल के साथ सभी सामग्री को मिक्स करके बहुत कम पानी से कड़ा आटा गूंथे। गूंथे आटे से लोई बना लें। थोड़ा सा लोई बाएं हथेली में लेकर दाएं हथेली से दबाएं और इसी तरह सारे बडे तैयार करें।

कढ़ाही में पर्याप्त तेल गर्म करें और बड़ो को गोल्डन और कुरकुरा होने तक डीप फ्राई करें। एब्जॉर्बेंट पेपर में निकालें। ठंडा या गर्म अपनी पसंद की चटनी के साथ सर्व करें।

एग मंचूरियन

सामग्री- 5-6 अंडे, बंद गोभी एक कप कटी हुई, एक इंच बारीक कटी अदरक, स्प्रिंग अनियन एक गुच्छा बारीक कटा, बारीक कटी हरी मिर्च 2, कॉर्न फ्लोर 50 ग्राम, टोमेटो सॉस 2 चम्मच, गाजर 1 कद्दूकस किया, बारीक कटी 4-5 लहसुन की कलियां, मैदा 2 चम्मच, काली मिर्च पाउडर एक चुटकी, सोया सॉस दो चम्मच, तेल आवश्यकतानुसार, नमक स्वादानुसार।

विधि- बंद गोभी और गाजर धोकर पानी निकाल लें। इसमें अंडा फोड़कर मिलाएं। कॉर्न फ्लोर, काली मिर्च, नमक, अदरक लहसुन, स्प्रिंग अनियन और मैदा डालकर मिलाएं। मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और गोल गोल करके बॉल्स का आकार दें, यदि बॉल्स बनाने में कोई दिक्कत आ रही हो तो उसमें कॉर्न फ्लोर मिला सकते है। सभी बॉल्स को आधे घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। अब मीडियम आंच पर तेल डालकर सभी बॉल्स को डीप फ्राई कर लें।

ग्रेवी बनाने के लिए- तेल गरम करें। उसमें अदरक, लहसुन और बारीक कटा प्याज डालें। तेज आंच पर थोड़ी देर चलाएं। नमक, काली मिर्च पाउडर, सोया सॉस, टोमेटो सॉस डालें। पक जाने के बाद उसमें एक कप पानी डालें। जब ये उबलने लगे तो इसमें कार्न स्टार्च पेस्ट डालें। ग्रेवी गाढ़ा होने पर तले हुए सभी बॉल्स को डाल दें। आंच बंद कर दें। तैयार हो गया एग मंचूरियन। स्प्रिंग अनियन का हरा हिस्सा काट कर सॉस में मिलाएं। फ्रायड राइस या नूडल्स के साथ सर्व करें। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(8 मई से 14 मई)

मेष (21मार्च-20अप्रैल)- व्यावहारिक होने की जरूरत है। तनाव को बढ़ने न दें। प्रतिदिन व्यायाम करें। बदलाव से घबराएं नही, उसका स्वागत करें। जीवन साथी के साथ संबंध मधुर होंगे। नौकरी व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किये गए कार्यो में लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। अगर अविवाहित है तो विवाह का योग बन सकता है।

वृषभ (21अप्रैल-21मई)- पेशेवर और वित्तीय मोर्चे पर अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के कारण धैर्य की परीक्षा हो सकती है। समस्या का सामना करना पेशेवर रूप से अच्छा कदम हो सकता है। खर्च पर नियंत्रण रखें। घाटे को मुनाफे में बदलने में अभी और समय लग सकता है। दिनचर्या में योग अथवा व्यायाम शामिल करें। संगीत सुनें। मन को शांत रखें।

मिथुन (22मई-21जून)- व्यापार करने वालों के लिए लाभदायक हो सकता है। लम्बे समय में यह धन को बढ़ा सकता है और आकर्षक अवसरों के द्वार खोल सकता है। परिवार और दोस्तों के साथ कोई खुशखबरी साझा की जा सकती है। आत्मसंयम अच्छे मानिसक और शारीरिक स्वास्थ्य के रूप में प्रतिफल दे सकता है। पेशेवर ज्ञान की परीक्षा हो सकती है।

कर्क (22जून-22जुलाई)- समय अनुकूल नहीं है इसीलिए सीमित दायरे में रहें। कोई जोखिम नही लें। सहयोगियों और मित्रों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखें। जीवन साथी के साथ जीवन सुखमय होगा। किसी भी नए कार्य को करने से पूर्व उसके बारे में अच्छे से जानकारी ले लें। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- मिलाजुला रहेगा और साथियों और अधिकारीयों के साथ तर्क कर सकते है। कड़ी मेहनत करनी होगी। जीवनसाथी के साथ टकराव हो सकता है। जीवनशैली बदलने की जरूरत है। खान पान पर ध्यान न देने और व्यायाम न करने की आदत के कारण छोटी मोटी बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- करियर में ठहराव देखा जा सकता है। आर्थिक स्थिति में भी काफी समय से उतर चढाव चल रहा है, जिसकी वजह से मानिसक तनाव बना हुआ है। विकल्पों के बारे में सोचने की जरूरत है। निवेश करने से पूर्व राय लें। प्रेम संबंधों में स्थिर है और दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं को पसंद करते है। स्वास्थ को नज़रअंदाज़ ना करें। नियमित व्यायाम लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

तुला(24सितम्बर-23अक्टूबर)- सहयोगियों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी। पारिवारिक वातावरण में तनाव हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं, नकारात्मक विचारों से दूर रहें। धन संग्रह एवं बचत के लिए समय अनुकूल नहीं है। व्यापारियों और उद्यमियों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। व्यावसायिक विकास के लिए खर्च किया गया धन भविष्य में अच्छे परिणाम देगा।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवंबर)- नजरिया बदलें, जीवन खुद ब खुद बदल जायेगा। प्रभाव और सकारात्मक शक्तियां शिखर पर होंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। जीत के मार्ग पर है। कार्य को लगन और ईमानदारी से निभाएं। परिवार में खुशियां आएंगी और सुख शांति बनी रहेगी। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी।

धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)- पेशेवर मोर्चे के लिहाज से हर वक्त तैयार नज़र आएंगे और साथ ही खुद को तलाशेंगे। इस दौरान छुपी नयी प्रतिभा को खोजने में कामयाबी हासिल करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आय के नए स्रोत खुलेंगे। साथ ही पैतृक संपत्ति से भी लाभ मिल सकता है। समय न दे पाने की वजह से इस दौरान प्रियजनों से टकराव हो सकता है।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- पेशेवर जीवन में संतुष्टि महसूस होगी। अतीत में किये गए सभी प्रयासों से शुभ परिणाम हासिल होंगे। करियर में बदलाव के लिए समय शुभ है। यदि फिजूलखर्ची पर लगाम लगा लेते है तो आर्थिक पक्ष के लिहाज से भी समय अनुकूल रहेगा। वित्तीय निवेश करते समय सावधानी बरतें। लम्बे समय से बीमार की सेहत में सुधार देखने को मिलेगा।

कुम्भ (21 जनवरी-19फ़रवरी)- संतुलन की जरूरत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में अपनी ऊर्जा लगाएं। प्रकृति में समय बिताएं। काम पर ध्यान दें। जुनून को कुछ नया करने में लगाएं। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। जीवन साथी के साथ समय बिताएं और साथ में यात्रा का भी योग है। विद्यार्थी को मेहनत करने की आवश्यकता है।

मीन (20फरवरी-20मार्च)- आस पास के आराम में बहुत सारी खुशियां पा सकते है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। विवाह की बात चल सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। खानपान पर ध्यान दें। पेशेवर जीवन अच्छा होगा। नौकरी की तलाश/ कार्यक्षेत्र में तरक्की के भी योग है। यदि नए प्रोजेक्ट को करने की योजना बना रहे है तो जानकारी लेकर ही आगे बढ़ें। ■

हाउसफुल 5 में अभिषेक बच्चन की एंट्री ...

नई दिल्ली। हाउसफुल सबसे लोकप्रिय फिल्म फ्रेंचाइजी में से एक है। जब से इसकी पांचवीं किस्त की घोषणा हुई है, दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मूवी लवर्स के लिए एक और अच्छी खबर है। फिल्म में अभिषेक बच्चन की एंट्री हुई है। फिल्म में अक्षय कुमार, अनिल कपूर, नाना पाटेकर, रितेश देशमुख और चंकी पांडे मुख्य भूमिका में हैं। अब अभिषेक बच्चन अपनी शानदार कॉमेडी टाइमिंग के साथ बोर्ड पर आ रहे हैं। ऐसे में लोग फिल्म से और भी अधिक हंसी और मनोरंजन की उम्मीद कर सकते हैं। इसकी शूटिंग अगस्त 2024 में यूके में शुरू होगी।

लाइफ Style

सुष्मिता

दुल्हन बन रैंप पर छाईं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बॉम्बे फैशन वीक में एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने डिजाइनर रोहित वर्मा की कलेक्शन को रैंप पर उतारा। गोल्डन कलर के लहंगे में रनवे पर चलते हुए सुष्मिता बेहद खूबसूरत लग रही थीं। एक्ट्रेस ने अपने लुक को कलीरों और फूलों से कंप्लीट किया, साथ ही उन्होंने बड़े करीने से बंधे जूड़े को भी सजा रखा था। डिजाइनर के लिए दूसरी बार शो स्टॉपर रहीं सुष्मिता ने कहा, 'रोहित वर्मा के लिए यह मेरी दूसरी वॉक है, जो खुद को शी कहलाना पसंद करते हैं। वह पक्का करते हैं कि हर पल उत्सव हो।' सुष्मिता ने इस बात पर जोर दिया कि आज के समय में 'समावेशी' होना कितना जरूरी है।

एक्ट्रेस ने कहा, 'आज के समय में दुनिया में समावेशी होना की बहुत जरूरत है। इसलिए मैं सौभाग्यशाली महसूस करती हूं कि उन्होंने न केवल मुझे तैयार किया, बल्कि मेरी आत्मा को भी तैयार किया और मुझे एकता, सद्भाव और अच्छाई का जश्न मनाने का मौका दिया।'

वहीं, रोहित वर्मा ने शेयर किया कि उनका पूरा कलेक्शन प्यार का जश्न मनाने के इर्द-गिर्द घूमता है। एक्ट्रेस के रैंप वॉक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डिजाइनर के लिए दूसरी बार शो स्टॉपर रहीं सुष्मिता ने कहा, 'रोहित वर्मा के लिए यह मेरी दूसरी वॉक है, जो खुद को शी कहलाना पसंद करते हैं। वह पक्का करते हैं कि हर पल उत्सव हो।' सुष्मिता ने इस बात पर जोर दिया कि आज के समय में 'समावेशी' होना कितना जरूरी है।

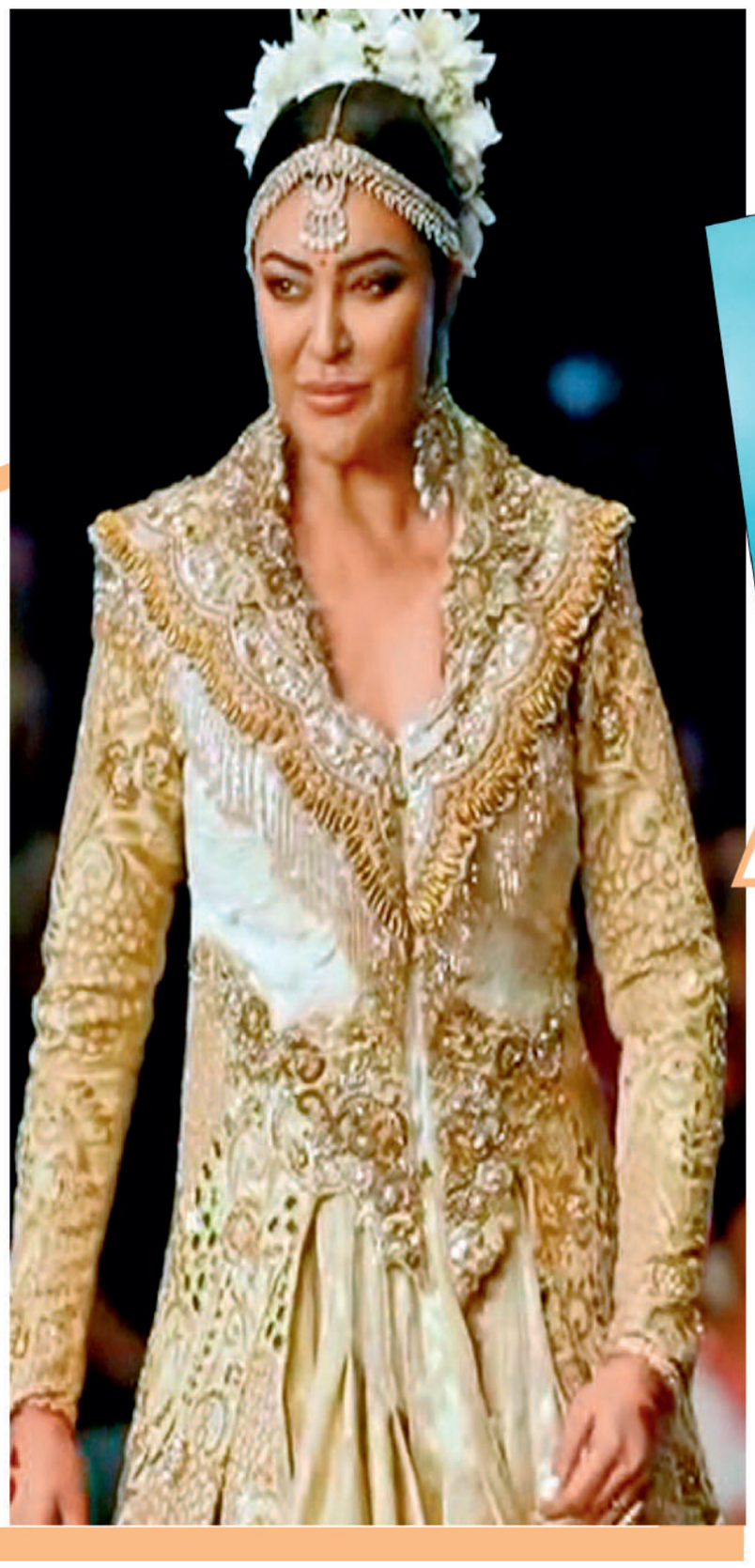

हॉलीवुड मसाला

कान्स महोत्सव में हड़ताल का साया

लॉस एंजिलिस। 'कान्स फिल्म महोत्सव' फिल्मों के प्रीमियर और स्टार्स के लुक्स के अलावा अपने विवादों की वजह से सुर्खियां बटोरता आया है। इस साल भी समारोह के शुरू होने से पहले ही खबर आ रही है कि 'कान्स फिल्म महोत्सव' के कर्मचारी समारोह के दौरान हड़ताल कर सकते हैं।' यह विरोध वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर किया जाने वाला है। 'कान्स फिल्म महोत्सव 2024' में 200 से अधिक फ्रांसीसी कर्मचारी हड़ताल पर जाने की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म महोत्सव के कार्यकर्ता और कान श्रमिकों ने वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का मन बनाया है।

एडम ड्राइवर के किरदार से उठा पर्दा

लॉस एंजिलिस। महान निर्देशक फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की लंबे समय से प्रतीक्षित जुनूनी परियोजना 'मेगालोपोलिस' एक बार फिर सुर्खियों में हैं। आखिरकार निर्माताओं ने एडम ड्राइवर की पहली झलक जारी करके दर्शकों को इसके दृष्टिकोण की एक झलक दे दी है। हाल ही में जारी किए गए टीजर में एडम ड्राइवर के किरदार सीजर नामक एक वास्तुकार को दिखाया गया है, जो एक गगनचुंबी इमारत के किनारे पर एक अनिश्चित स्थिति में खड़ा है। यह उच्च जोखिम वाला दृश्य फिल्म के भव्य पैमाने और नाटकीय तनाव के लिए माहौल तैयार करता है। 'मेगालोपोलिस' दशकों से विकास में है, और कोपोला ने महत्वाकांक्षी परियोजना को स्व-वित्तपोषित किया है।

सुपरस्टार से शादी करके कॅरियर हुआ खत्म

नई दिल्ली। किसी एक्ट्रेस की पहली ही फिल्म सुपर-डुपर हिट हो जाए तो वो भूलकर भी शादी नहीं करती और अगर शादी हो जाए तो ये गलती कभी नहीं करतीं कि वो प्रेग्नेंट हो जाए। लेकिन डिंपल कपाड़िया ने करियर की पीक पर पहुंच कर मां बनने का जोखिम उठाया। सुपर स्टार राजेश खन्ना से शादी भी रचा डाली, लेकिन फिर जल्दी ही तलाक भी हो गया। इसने प्रेग्नेंट होने का फैसला तब किया जब ये पहली ही फिल्म बॉबी के बाद एक बड़ी स्टार बन गई थीं और उनके घर के बाहर निर्माता निर्देशकों की कतार लग रही थी। बॉबी फिल्म के रिलीज होने के पहले ही डिंपल राजेश खन्ना के प्यार में पड़ीं और शादी भी कर ली। इतना ही नहीं, शादी होते ही डिंपल कपाड़िया ने फिल्मी दुनिया भी छोड़ दी।

करण से कॉमेडियन ने मांगी माफी...

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक टीवी शो के प्रोमो पर निराशा व्यक्त करते हुए रविवार रात एक इंस्टाग्राम पोस्ट किया। करण ने कहा कि उन्होंने एक कॉमेडियन को अभद्र तरीके से उनकी नकल करते हुए देखा, लेकिन उन्होंने शो, कॉमेडियन या चैनल का नाम नहीं लिया। हालांकि, करणका पोस्ट देखने के बाद तमाम लोगों को संदेह था कि करण केतन सिंह स्टारर फिल्म 'मैडनेस मचाएंगे' के प्रोमो के बारे में बात कर रहे थे। लिहाजा करण की आलोचना पर अब कॉमेडियन ने जवाब दिया है और विनम्रतापूर्वक माफी भी मांगी है। केतन ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनका इरादा कभी भी करण को ठेस पहुंचाना नहीं था, 'मैं करण सर से माफी मांगना चाहूंगा।' मैं कॉफी शो में करण जौहर को बहुत देखता हूं। मैं उनके काम का फैन हूं।

टीवी मसाला

बाल हनुमान' बोले- अब मैं भी शरारती

नई दिल्ली। बाल कलाकार दर्श अग्रवाल शो 'कर्माधिकारी शनिदेव' में बाल हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि उन्हें

बाल रूप हनुमान की शरारतें हमेशा आकर्षित करती हैं। बाल हनुमान के रूप में दर्श अग्रवाल की एंट्री के साथ, यह शो शनिदेव और हनुमान के बीच आपसी संबंधों पर प्रकाश डालते हुए एक नए आयाम की खोज करने के लिए तैयार है। दर्श अग्रवाल ने बातचीत में कहा, 'मेरे दादा-दादी मुझे हमेशा बाल हनुमान, श्री कृष्ण और बाल गणेश की कहानियां सुनाते थे। भगवान हनुमान के बाल रूप की शरारतें मुझे हमेशा आकर्षित करती थीं और अब मैं भी शरारती हो गया हूं। मैं अपने दोस्तों और परिवार को मुझे यह किरदार निभाते हुए देखने का और इंतजार नहीं कर सकता।' शो की कहानी शनिदेव पर आधारित है, जिसे भगवान हनुमान नारद मुनी को सुनाते हैं और बताते हैं कि कैसे शनिदेव को 'कर्माधिकारी' कहा जाता है।

ओटीटी पर इस हफ्ते लगेगा क्राइम-मिस्ट्री का तड़का

नई दिल्ली। ओटीटी पर इस हफ्ते क्राइम-मिस्ट्री का तड़का लगेगा। कई लोग सिनेमाघरों में बैठकर फिल्मों का मजा नहीं ले पाते हैं। वे घर बैठे ही रोमांचक शो और फिल्में देखना पसंद करते हैं। दर्शकों के लिए मई का दूसरा हफ्ता धमाकेदार साबित होने वाला है, क्योंकि इस हफ्ते कई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

आवेशम : 'आवेशम' 2024 की मलयालम एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन जीतू माधवन ने किया है। यह नाजरिया नाजिम और अनवर रशीद द्वारा निर्मित है। 'आवेशम' तीन किशोरों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बेंगलुरु आते हैं और झगड़े के बाद एक स्थानीय गैंगस्टर से दोस्ती करते हैं। इसमें फहद फासिल, मिथुन जय शंकर और रोशन शनावास मुख्य भूमिकाओं में हैं और अन्य सहायक भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत सुशीन श्याम का है, जबकि समीर ताहिर ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है और विवेक हर्षन ने संपादन किया है। 'आवेशम' 9 मई को अमेजन प्राइम वीडियो पर अपना ओटीटी डेब्यू करेगा।

रत्नम : 'रत्नम' हरि द्वारा निर्देशित 2024 की तमिल एक्शन फिल्म है, जो स्टोन बेंच फिल्म्स, जी स्टूडियोज और इनवेनियो ओरिजिन द्वारा निर्मित है। इसमें विशाल मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ प्रिया भवानी शंकर, रामचंद्र राजू और अन्य प्रमुख भूमिका में हैं। यह फिल्म 'थमीराभरानी' और 'पूजाई' के बाद विशाल और निर्देशक हरि के बीच तीसरे सहयोग का प्रतीक है। रत्नम कथित तौर पर इस सप्ताह अमेजन प्राइम वीडियो पर अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार है।

8 एएम मेट्रो : '8 एएम मेट्रो' एक पुरुष और एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रेलवे प्लेटफॉर्म पर मिलने के बाद दोस्त बन जाते हैं। फिल्म में गुलशन देवैया और सैयामी खेर मुख्य भूमिका में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 10 मई को जी5 पर रिलीज होगी।

आडुजीवितम - द गोट लाइफ : 'आडुजीवितम - द गोट लाइफ' 2024 का मलयालम सर्वाइवल ड्रामा है, जो ब्लेसी द्वारा निर्देशित और सह-निर्मित है। यह बेन्यामिन के 2008 के उपन्यास 'आडुजीवितम' पर आधारित है, जो सऊदी अरब में चरवाहे के रूप में गुलाम बनाए गए एक मलयाली श्रमिक नजीब की सच्ची कहानी से प्रेरित है। यह फिल्म भारत-अमेरिका सहयोग से बनाई गई है, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन, जिमी जीन-लुई और केआर गोकुल हैं, जबकि तालिब अल बलुशी, रिक एबी, अमला पॉल और शोभा मोहन की सहायक भूमिकाएं हैं। यह उपन्यास के प्रतिबंध के समान संयुक्त अरब अमीरात को छोड़कर सभी खलीजी देशों में प्रतिबंधित है। 10 मई से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 'आडुजीवितम' स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी।

संक्षिप्त खबरें

आईसीए क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए याशिता, वैदेही का चयन

पटना। राजकोट में होने वाले अंडर 19 वीमेंस इंटर नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) टूर्नामेंट के लिए बिहार की याशिता सिंह और वैदेही यादव का चयन हुआ है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने बीसीए को पत्र में बताया है कि सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के राजकोट में अंडर19 वीमेंस इंटर एनसीए टूर्नामेंट का आयोजन 23 मई से 2 जून तक तक होगा। इस टूर्नामेंट के लिए याशिता सिंह को कप्तान बनाया गया है। दोनों खिलाड़ियों को 22 मई को राजकोट में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

बडोसा ने एंद्रिवा को हराकर जीत से किया आगाज

रोम। पाउला बडोसा मंगलवार को बारिश से प्रभावित इटालियन ओपन के पहले दौर में 17 वर्षीय मीरा एंद्रीवा पर 6-2, 6-3 से जीत के दौरान अपनी पुरानी लय में दिखी। विश्व रैंकिंग में अतीत में दूसरे स्थान पर रह चुकी बडोसा पिछले साल चोट के कारण खेल से दूर होने के बाद रैंकिंग में 126वें स्थान पर खिसक गयी है। उन्होंने बारिश के खलल से पहले 5-1 की बढत बनाने के बाद खेल दोबारा शुरू होने पर भी 40वीं रैंकिंग वाली एंद्रीवा को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। बडोसा ने पिछले महीने मियामी ओपन में डोपिंग प्रतिबंध से वापसी कर रही सिमोना हालेप को हराकर लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था। फोरो इटैलिकों में एक अन्य मैच में शेल्बी रोजर्स ने इटली की वाइल्ड-कार्डधारी लिसा पिगाटो को 6-1, 6-0 से हराया।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे से टी-20 सीरीज जीती

चट्टोग्राम। तौहीद हृदोय के करियर के पहले अर्धशतक की मदद से बांग्लादेश ने मंगलवार को यहां तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को नौ रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किये जाने के बाद तौहीद के 38 गेंद पर 57 रन और जाकर अली (44) के साथ चौथे विकेट के लिए उनकी 87 रन की साझेदारी की मदद से 8 विकेट पर 165 रन बनाए। जिम्बाब्वे की तरफ से ब्लेसिंग मुजराबानी ने चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लिये। जिम्बाब्वे की टीम इसके जवाब में 9 विकेट पर 156 रन ही बना पाई। उसकी तरफ से दसवें नंबर के बल्लेबाज फराज अकरम ने 19 गेंद पर सर्वाधिक नाबाद 34 रन बनाकर हार का अंतर कम किया। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद सैफुद्दीन ने तीन जबकि रिशाद हुसैन ने दो विकेट लिये। इन दोनों टीम के बीच चौथा टी20 मैच शुक्रवार को ढाका में खेला जाएगा।

राजस्थान पर जीत से दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदें जगीं

नई दिल्ली।

ओपनर अभिषेक पोरेल और जैक फ्रेजर-मैकगर्क की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियंन प्रीमियर लीग मुकाबले में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स पर 20 रन से जीत दर्ज कर प्ले ऑफ की उम्मीदों को मजबूती दी। इस जीत से दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है और अब उसके 12 मैच में छह जीत से 12 अंक हो गए हैं।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर दिल्ली ने पोरेल के 65 रन और फ्रेजर-मैकगर्क के 50 रन के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की 4.2 ओवर में 60 रन की साझेदारी से आठ विकेट पर 221 रन बनाए। पोरेल ने 36 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों से 65 रन की पारी खेली। पोरेल ने फ्रेजर-मैकगर्क (50 रन, 20 गेंद, सात चौके, तीन छक्के) के साथ पहले विकेट के लिए सिर्फ 4.2 ओवर में 60 रन की साझेदारी भी की। ट्रिस्टन स्टब्स (20 गेंद 41 रन, तीन छक्के, तीन चौके) ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करके टीम का स्कोर 221 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली की टीम अंतिम तीन ओवर में 53 रन जोड़ने में सफल रही।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन की 86 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी के बावजूद रॉयल्स की टीम आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी। रियान पराग ने 27 रन और शुभम दुबे ने 25 रन की पारियां खेली जबकि जोस बटलर ने 19 रन बनाए। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और खलील अहमद ने दो-दो विकेट चटकाए जबकि रसिख व अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स ने पारी की दूसरी गेंद पर ही यशस्वी जायसवाल (04) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने खलील अहमद की गेंद पर मिड ऑफ पर अक्षर पटेल को कैच थमाया। सैमसन ने खलील पर चौका और छक्का जड़ने के बाद ईशांत शर्मा के ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा। सलामी बल्लेबाज जोस बटलर आठ रन के निजी स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब मुकेश कुमार की गेंद को हवा में लहरा गए लेकिन स्टब्स ने कवर में उनका कैच टपका दिया। सैमसन ने इसी ओवर में लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। बटलर ने अगले ओवर में अक्षर पटेल पर छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 19 रन बनाए। रॉयल्स ने पावर प्ले में दो विकेट पर 67 रन बनाए।

रियान पराग (22 गेंद में 27 रन, तीन छक्के, एक चौका) ने अक्षर और कुलदीप यादव पर छक्के जड़कर अच्छी शुरुआत की और फिर रसिख सलाम पर छक्के के साथ 11वें ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया। वह हालांकि रसिख के इसी ओवर में बोल्ड हो गए। सैमसन ने फ्री हिट पर कुलदीप पर छक्के के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। रॉयल्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 63 रन की दरकार थी। मुकेश ने सैमसन को लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर शाई होप के हाथों कैच कराके रॉयल्स को बड़ा झटका दिया। शुभम ने अगले ओवर में खलील की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन फिर लॉन्ग ऑन पर स्टब्स को कैच दे बैठे। उन्होंने 12 गेंद का सामना करते हुए दो चौके और दो छक्के मारे। कुलदीप ने इसके बाद डोनोवन फरेरा (01) और रविचंद्रन अश्विन (02) को पैवेलियन भेजा। रॉयल्स को अंतिम दो ओवर में जीत के लिए 37 रन की जरूरत थी लेकिन टीम लक्ष्य से दूर रही।

फ्रेजर-मैकगर्क ने ट्रेंट बोल्ट के पहले ओवर में चौका जड़ने के बाद इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने चौथे ओवर में आवेश खान पर चार चौके और दो छक्कों के साथ 28 रन बटोरे और सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। फ्रेजर-मैकगर्क हालांकि पांचवें ओवर में रविचंद्रन अश्विन की फुलटॉस को डोनोवन फरेरा के हाथों में खेल गए। शाई होप (01) इसके बाद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए। संदीप पर पोरेल ने सीधा शॉट खेला और गेंदबाज के हाथ से छूने के बाद गेंद विकेटों से टकरा गई जबकि होप क्रीज से बाहर थे।

दिल्ली ने पावर प्ले में दो विकेट पर 78 रन बनाए। पोरेल ने चहल का स्वागत छक्के और चौके के साथ किया। टीम के रनों का शतक नौवें ओवर में पूरा हुआ। अक्षर पटेल (15) ने पराग पर छक्का जड़ा लेकिन अश्विन की गेंद पर पराग को कैच दे बैठे। पोरेल ने आवेश पर छक्के के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स -		राजस्थान रॉयल्स-	
जैक फ्रेजर-मैकगर्क का. फरेरा बो. मैकगर्क	50	यशस्वी जायसवाल का. अक्षर बो. खलील	04
अभिषेक पोरेल का. संदीप बो. अश्विन	65	जोस बटलर बो. अक्षर	19
शाई होप रन आउट	01	संजू सैमसन का. होप बो. मुकेश	86
अक्षर पटेल का. पराग बो. अश्विन	15	रियान पराग बो. रसिख	27
ऋषभ पंत का. बोल्ट बो. चहल	15	शुभम दुबे का. स्टब्स बो. खलील	25
ट्रिस्टन स्टब्स पगबाधा बो. संदीप	41	रोवमैन पावेल बो. मुकेश	13
गुलबदीन नायब का. अश्विन बो. बोल्ट	19	डोनोवन फरेरा पगबधा बो. कुलदीप	01
रसिख सलाम रन आउट	09	रविचंद्रन अश्विन का. होप बो. कुलदीप	02
कुलदीप यादव (नाबाद)	05	ट्रेंट बोल्ट (नाबाद)	02
अतिरिक्त -	**01**	आवेश खान (नाबाद)	07
कुल - (20 ओवर में आठ विकेट पर)	**221**	**अतिरिक्त -**	**15**
विकेटपतन - 1/60, 2/68, 3/110, 4/144, 5/150, 6/195, 7/215, 8/221		**कुल -** (20 ओवर में आठ विकेट पर)	**201**
गेंदबाजी - ट्रेंट बोल्ट 4-0-48-1, संदीप 4-0-42-1, आवेश खान 2-0-42-0, रविचंद्रन अश्विन 4-0-24-3, रियान पराग 2-0-17-0, युजवेंद्र चहल 4-0-48-1		**विकेटपतन -** 1/4, 2/67, 3/103, 4/162, 5/180, 6/181, 7/185, 8/194	
		गेंदबाजी - खलील 4-0-47-2, ईशांत 3-0-34-0, मुकेश 3-0-30-2, अक्षर 3-0-25-1, कुलदीप 4-0-25-2, रसिख 3-0-36-1	

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अनि./टाई	अंक	नेट र.र.
कोलकाता नाइट राइडर्स	11	8	3	0/0	16	1.453
राजस्थान रॉयल्स	11	8	3	0/0	16	0.476
चेन्नई सुपरकिंग्स	11	6	5	0/0	12	0.700
सनराइजर्स हैदराबाद	11	6	5	0/0	12	0.065
दिल्ली कैपिटल्स	12	6	6	0/0	12	-0.316
लखनऊ सुपर जायंट्स	11	6	5	0/0	12	-0.371
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू	11	4	7	0/0	8	-0.049
पंजाब किंग्स	11	4	7	0/0	8	-0.187
मुंबई इंडियंस	12	4	8	0/0	8	-0.212
गुजरात टाइटंस	11	4	7	0/0	8	-1.320

भारत और विंडीज के बीच फाइनल मुकाबला चाहते हैं ब्रायन लारा

नई दिल्ली (भाषा)। अगले महीने होने वाले टी-20 विश्व कप में भारत-वेस्टइंडीज के बीच फाइनल की ख्वाहिश जताते हुए महान क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा है कि सूर्यकुमार यादव को भारत के लिये तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिये। लारा ने यह भी कहा कि विश्वकप में भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल होने से 2007 में हुई गलती की भरपाई हो जायेगी, जब वेस्टइंडीज में हुए वनडे विश्व कप में भारत के जल्दी बाहर होने से मेजबान को काफी खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को टीम में रखा है जबकि शुभमन गिल और रिंकू सिंह जैसे युवा रिजर्व में हैं। सूर्यकुमार मुख्य टीम में है। लारा ने कहा,'मेरी सलाह यह होगी कि सूर्यकुमार यादव को तीसरे नंबर पर उतारा जाये। वह टी20 क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में से है। अगर आप सर विव जैसे खिलाड़ियों से बात करें, तो वह आपको बतायेंगे कि वह कैसे बल्लेबाजी को बेताब रहते थे।'उन्होंने कहा,'मुझे सूर्यकुमार के साथ भी यही लगता है। उसे जल्दी से उतारना जरूरी है और अगर वह 10-15 ओवर खेल जाता है, तो कमाल कर सकता है।'उन्होंने कहा,'अगर आप उसको जल्दी उतारते हैं, तो वह आपको जीत की स्थिति में पहुंचा देगा और बाद में बल्लेबाजी करने पर जीत दिला देगा।' सूर्यकुमार आम तौर पर चौथे और कोहली तीसरे नंबर पर उतरते हैं। आईपीएल में कमेंट्री कर रहे लारा ने कहा कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल हो सकता है जिससे 2007 विश्व कप में हुई त्रासदी की भरपाई हो जायेगी जब भारतीय टीम पहले दौर में बाहर हो गई थी। उन्होंने कहा,'वेस्टइंडीज को अच्छा करना चाहिये। उनके पास कई सितारे हैं जो एक टीम के रूप में अच्छा कर सकते हैं। भारतीय टीम भी चयन को लेकर तमाम हंगामे के बावजूद सेमीफाइनल में होगी।' लारा ने कहा,'इंग्लैंड टीम को वेस्टइंडीज बहुत पसंद है। इंग्लैंड भी अंतिम चार में होगा और चौथे स्थान पर डार्कहॉर्स के रूप में अफगानिस्तान पहुंच सकता है।' उन्होंने कहा,'भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल से अतीत में हुई गलती की भरपाई हो जायेगी। भारत 2007 में दूसरे दौर में नहीं पहुंच सका था और इसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा। हम नहीं चाहते कि ऐसा फिर हो, इसलिए भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल होना चाहिये जिसमें बेहतर टीम जीते।'भारत ने युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के रूप में चार स्पिनरों को चुना है जिनमें से दो हरफनमौला हैं। लारा ने कहा,'चार स्पिनरों के होने पर मैं ज्यादा नहीं बोलना चाहूंगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि चारों स्पिनर खेलेंगे। मुझे खुशी है कि चहल टीम में है। वह आईपीएल स्टार ही नहीं है, बल्कि काफी दिमाग लगाकर गेंदबाजी करता है। कुलदीप भी। ये आपको विकेट दिलायेंगे और रनगति पर अंकुश भी लगायेंगे।'

प्लेऑफ का दावा पुख्ता करने उतरेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद (भाषा)। अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से उबरकर सनराइजर्स हैदराबाद लखनऊ सुपर जाइंटस के खिलाफ बुधवार को आईपीएल के मैच में जीत दर्ज करके प्लेऑफ का दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी।

दोनों टीमों के 11 मैचों में 12 अंक हैं। सनराइजर्स का नेट रनरेट (माइनस 0 . 065) लखनऊ (माइनस 0 . 371) से बेहतर है। अंकतालिका में कोलकाता नाइट राइडर्स (16), राजस्थान रॉयल्स (16) और चेन्नई सुपर किंग्स (12) उससे ऊपर हैं। सनराइजर्स और लखनऊ में से जो जीतेगा वह प्लेआफ की दौड़ में एक कदम आगे होगा। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन पिछले कुछ मैचों में उसके विजय अभियान पर रोक लग गई है। पिछले चार में से तीन मैचों में सनराइजर्स को पराजय का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसके आक्रामक बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में वे बड़ा स्कोर नहीं बनाने के कारण सात विकेट से हार गये। ट्रेविस हेड को छोड़कर बाकी बल्लेबाज पिछले कुछ मैचों में खराब फॉर्म में रहे हैं।युवा अभिषेक शर्मा पिछले चार मैचों में 30 रन से आगे नहीं जा सके हैं। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि हर बार सलामी बल्लेबाजों पर ही जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती, मध्यक्रम को भी कमान संभालनी होगी।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ मुकाबला आज शाम 7:30 बजे से

नई दिल्ली : राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तूफानी अर्धशतक जमाने पर दर्शकों का अभिवादन करते जैक फ्रेजर साथ में अर्धशतक जमाने वाले दिल्ली के ओपनर अभिषेक पोरेल।

दुबे और यशस्वी होंगे सफलता की कुंजी : शास्त्री

दुबई (भाषा)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि आगामी टी-20 विश्व कप में शिवम दुबे की बड़े छक्के लगाने की क्षमता से भारत को बड़े स्कोर बनाने में मदद मिलेगी और यशस्वी जायसवाल के साथ दुबे पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा। जायसवाल और दुबे एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में पदार्पण करेंगे। शास्त्री ने आईसीसी से कहा,'दोनों बायें हाथ के बल्लेबाज हैं और अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। एक यशस्वी जायसवाल है जिसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वह युवा है और बेखौफ खेलता है।'

बुमराह को आराम देने का इरादा नहीं : पोलार्ड

मुंबई (भाषा)। मुंबई इंडियंस के आईपीएल प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि टीम का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं है। मुंबई ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया जिसमें सूर्यकुमार यादव (नाबाद 102) ने आईपीएल में दूसरा शतक जड़ा। मुंबई की यह 12 मैचों में चौथी ही जीत थी। टी-20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम देने के सवाल पर पोलार्ड ने कहा,'हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के लिए हैं।' उन्होंने कहा,'हमारा लक्ष्य आईपीएल पूरा करना है। उसके बाद देखते हैं कि क्या होता है।' पोलार्ड ने कहा कि बल्लेबाजी कोच होने के नाते सबसे कठिन काम सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज से आक्रामक खेल पर नियंत्रण कराना है। उन्होंने कहा,'वह स्वाभाविक तौर पर आक्रामक बल्लेबाज है। वह हर गेंद को पीटना चाहता है। ऐसे में बल्लेबाजी कोच के लिये सबसे कठिन काम उसकी स्वाभाविक शैली को बदलना है, लेकिन बहुत ज्यादा नियंत्रण की भी जरूरत नहीं है, क्योंकि आजकल क्रिकेट में इतने रन बन रहे हैं।' वहीं, सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने कहा कि सूर्यकुमार ने शानदार पारी खेलकर मैच उनकी जद से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा,'वह अद्भुत क्रिकेटर है और विश्व कप में भी वह अपनी छाप छोड़ेगा। उसे गेंदबाजी करना काफी कठिन है । उसके जैसा बल्लेबाज मिलना मुश्किल है।'

प्रतिभाशाली एथलीटों ने रिले में दिलाया ओलंपिक का टिकट

नई दिल्ली (भाषा)। एक पिता के सपने को पूरा करना, करियर की शुरुआत में एक बड़ा कदम और जीवन की शुरुआत में चुने गए विकल्पों को सही साबित करना- ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना चार गुना 400 मीटर भारतीय पुरुष और महिला रिले के विभिन्न सदस्यों के लिए अलग-अलग मायने रखता है। भारत की इन दोनों टीमों ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

चार पुरुष और चार महिला सहित उन आठ धावकों के बारे में जानकारी जिन्होंने बहामास के नासाउ में विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी-अपनी क्वालीफाइंग हीट (शुरुआती दौर की रेस) में दूसरे स्थान पर रहते हुए ओलंपिक में जगह बनाई।

महिला टीम

एमआर पूवम्मा : ओलंपियन पूवम्मा के लिए यह एक बार फिर खुद को साबित करने की तरह है क्योंकि केरल उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद अनुकूल निर्णय मिलने से पहले 2021 में उन्हें डोपिंग के लिए दो साल के प्रतिबंध की बदनामी का सामना करना पड़ा था। एशियाई खेल 2014 और 2018 में व्यक्तिगत 400 मीटर और चार गुना 400 मीटर रिले में कई पदक जीतने वाली 33 वर्षीय पूवम्मा ने दो साल के प्रतिबंध के बाद पिछले साल गोवा राष्ट्रीय खेलों के दौरान वापसी की।

उन्होंने तब कहा था, 'आखिरकार मैं वापसी कर रही हूं। मेरा संघर्ष खत्म हुआ, हालांकि इसने मुझे मानसिक रूप से परेशान कर दिया है।' अर्जुन पुरस्कार विजेता पूवम्मा देश की सबसे सम्मानित एथलीटों में से एक हैं जिन्होंने 2013 एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की चार गुना 400 मीटर रिले में स्वर्ण और 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। कर्नाटक में जन्मी इस खिलाड़ी ने 2018 एशियाई खेलों में महिलाओं की चार गुना 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में भी स्वर्ण पदक जीता।

रूपल चौधरी : उन्होंने कोलंबिया में 2022 में विश्व अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो पदक- महिलाओं की चार 400 मीटर रिले में रजत और व्यक्तिगत 400 मीटर में कांस्य - जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा। इस 19 वर्षीय एथलीट के पिता उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के शाहपुर जैनपुर गांव में एक छोटे किसान हैं। मेरठ में प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त सिंथेटिक ट्रैक नहीं होने के कारण उन्हें सप्ताह में दो दिन दिल्ली की दो घंटे की यात्रा करनी पड़ती थी।

ज्योतिका दांडी श्री : हैदराबाद की रहने वाली ज्योतिका सोमवार को दूसरे चरण में दौड़ी। उन्होंने अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए खेलों को चुना क्योंकि वे चाहते थे कि उनकी बेटी ओलंपिक में भाग ले। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी इसके काफी करीब है, हालांकि रिले टीम का अंतिम चयन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के हाथों में है। वह पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में 400 मीटर में स्वर्ण और गोवा राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीता था।

शुभा वेंकटेशन : तमिलनाडु के त्रिची की 24 वर्षीय शुभा एक निर्माण श्रमिक और एक गृहिणी की बेटी है। उन्होंने पुलिस विभाग में काम करने वाले अपने नाना के जोर देने पर खेलों को चुना। शुरू में चेन्नई के तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण (एसडीएटी) केंद्र में प्रशिक्षण लेने वाली शुभा ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते। वह 2018 एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का भी हिस्सा थी।

पुरुष टीम

मोहम्मद अनस : अनस 400 मीटर में देश के शीर्ष धावक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। पहले से ही दो बार के ओलंपियन अनस ने एशियाई खेलों, एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं और 2016 में वह केएम बीनू और मिल्खा सिंह के बाद ओलंपिक में 400 मीटर (व्यक्तिगत स्पर्धा) में भाग लेने वाले भारत के केवल तीसरे धावक बने। वह तोक्यो ओलंपिक में भारत की पुरुषों की चार गुना 400 मीटर और मिश्रित चार गुना 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थे। वह पुरुषों की चार गुना 400 मीटर टीम का भी हिस्सा थे जिसने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा था और हांगझोउ में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

अनस केरल के निलामेल गांव के रहने वाले हैं और उनके पिता याहिया राज्य स्तर के एथलीट थे। अनस ने अक्सर कहा है कि 2008 के ओलंपिक में जमैका के दिग्गज उसेन बोल्ट को ट्रैक पर दौड़ते हुए देखने के बाद उनकी दौड़ने में दिलचस्पी हो गई। वह अपने स्कूल में लंबी कूद के चैंपियन थे लेकिन कोचों की सलाह पर ट्रैक स्पर्धाओं में चले गए।

मोहम्मद अजमल वारियाथोडी : केरल के पलक्कड़ में जन्मे मुहम्मद अजमल अपने राज्य के कई युवाओं की तरह ही एक फुटबॉल खिलाड़ी थे। जब तक उनके कोच ने ट्रैक स्पर्धाओं में हिस्सा लेने की सिफारिश नहीं की तब तक उन्होंने अंडर-19 राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लिया। वह पहले 100 मीटर के धावक थे और फिर 400 मीटर में प्रतिस्पर्धा करने लगे।

अमोज जैकब : केरल में जन्मे लेकिन नई दिल्ली में पले-बढे जैकब की खेल यात्रा रोहिणी के सेंट जेवियर्स स्कूल में पढने के दौरान शुरू हुई जब उनके कोच ने सुझाव दिया कि वह एक धावक बनने की कोशिश करें। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शुरू में फुटबॉल में दिलचस्पी थी। उनकी मां दिल्ली के एक अस्पताल में नर्स हैं। वह भुवनेश्वर में 2017 एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थे जबकि इसी स्पर्धाओं में हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता।

आरोकिया राजीव : तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली के पास एक गांव के रहने वाले आरोकिया के खून में एथलेटिक्स दौड़ता है क्योंकि उनके पिता वाई सौंदरराजन राज्य स्तर के धावक और लंबी कूद के खिलाड़ी रहे। आरोकिया के पिता सौंदरराजन एक बस ड्राइवर थे जबकि उनकी मां दिहाड़ी मजदूर थीं। सेना के 32 वर्षीय आरोकिया जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली चार गुना 400 मीटर मिश्रित रिले टीम का हिस्सा था और उन्होंने पुरुषों की चार गुना 400 मीटर रिले में रजत पदक भी जीता। वह टोक्यो ओलंपिक की चार गुना 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थे जिसने तत्कालीन एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा था।

शशीम ने 12 छक्के लगा कर पेसू को जीत दिलाई

- सीनियर डिवीजन लीग में 19 गेंदों पर बनाये 81 रन
- अधिकारी एकादश ने आरबीएनवाईओसी को एक विकेट से पराजित किया

पटना। रन मशीन शशीम राठौर की 19 गेंदों में खेली गयी नाबाद 81 रनों की धुंआधार पारी की बदौलत पेसू ने पीडीसीए सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग में मंगलवार को बाटा सीसी को नौ विकेट से हरा दिया। ऊर्जा स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में शशीम ने अपनी पारी में कुल 12 गगनचुंबी छक्के लगाये और 2 चौके जड़े। एनआईओसी, फतुहा ग्राउंड पर खेले गए एक मुकाबले में अधिकारी एकादश ने आरबीएनवाईएसी को एक विकेट से हराकर लगातार छठी जीत दर्ज की और ग्रुप विजेता होने का गौरव हासिल किया। शशीम ने बासित राशिद के नौवें ओवर की अंतिम पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के जड़े। शशीम राठौर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

संक्षिप्त स्कोर : (उर्जा स्टेडियम)बाटा सीसी : 40 ओवर में 8/148 (आयुष राज 47, नवील 15, फहद नाबाद 55, अतिरिक्त 20, पवन कुमार 2/35, राहुल राठौर 2/25, राजेश कुमार सिन्हा 1/20, कुंदन शर्मा 1/19), पेसू : 9.1 ओवर में 1/151 (पीयूष कुमार सिंह 41, बाबुल नाबाद 18, शशीम राठौर नाबाद 81, आयुष राज 1/36)।

(एनआईओसी, फतुहा ग्राउंड) : आरबीएनवाईएसी : 30 ओवर में 7/221 (इंद्रजीत कुमार 28, राजीव कुमार 23, श्लोक 78, हर्ष राज 56, कुमार सहज 13, आरोहित कुमार शर्मा 2/35, उत्कर्ष 4/35, ध्रुव कुमार 1/30), अधिकारी इलेवन : 29.3 ओवर में 9/227 (रजनीकांत 38, पुलक 70, आकाश राज 14, ध्रुव कुमार 19, उत्कर्ष 39, रौशन नाबाद 19, अतिरिक्त 18, श्लोक 2/26, कुमार सहज 2/56, हर्ष राज 1/35, एनआईजे 1/47, विक्की 1/8)।

ऐतिहासिक

ललित शर्मा

रहस्यों से भरा है करबा करबीन टीला

सिरपुर से लगभग 5-6 कि मी दक्षिण में मुख्य मार्ग से लगभग आधा कि मी पर करबीन तालाब है। छत्तीसगढ़ में नपुंसकों को करबा करबीन कहा जाता है। अनुमान लगाया जाता है कि सिरपुर राजधानी में इनकी निवास व्यवस्था आम रिहायश से पृथक रही होगी या इनके द्वारा अपने निवास स्थल के समीप होने के कारण इस तालाब का नाम करबीन नाम पड़ा होगा। ऐसा भी अनुमान लगाया जाता है कि यह स्थान सिरपुर राजधानी के मुख्य प्रवेश द्वार पर सेनकपाट के समीप है, इसलिए इन्हें राज्यतिथियों के स्वागत करने की दृष्टि से बसाया गया होगा। आज भी करबीन तालाब काफी बड़ा है और भारी संख्या में कमल कुमुदिनी खिले देखे जा सकते हैं। तालाब का दृश्य देखने में काफी मनमोहक लगता है। इसके आसपास का स्थल प्राकृतिक रूप से काफी अच्छा लगता है इसलिए इस स्थल को विश्राम के लिए अच्छा मानकर रुकते हैं।

सुरता

डा. सत्यभामा आडिल

सुराजी कवि रिहीन गिरवर दास

छत्तीसगढ़ी सुराज के कवि गिरिवर दास वैष्णव का जन्म बलौदाबाजार अंतर्गत मचाभाट ग्राम में हुआ था। आपके पिता स्व. हरिदास जी हिन्दी के मर्मज्ञ कवि थे, जिनकी रचना ध्यान प्रकाश प्रसिद्ध है। गिरिवर दास वैष्णव जी एक आचार निष्ठ देश प्रेमी थे। शोषितों, हरिजनों, सतनामियों के प्रबल पक्षधर गिरिवर दास वैष्णव ने छत्तीसगढ़ी सुराज में साम्यवाद के समझदारी, जवाहर के गीत, गांधी के गुणगान, मजदूर के मरना, हरिजन के हत्या, बुढ़वा बिहाव, पंडित के पाखंड, देश की दीनता, मालगुजार के मन मसमोटी, पूर्वजों के पराक्रम, तथा अन्य क्रांतिकारी कविताएं हैं। गिरिवर दास जी मालगुजार और जाति के ब्राह्मण थे। देश और समाज से जुड़ी जनवादी कविता दर्पण की तरह होती है। छत्तीसगढ़ी सुराज स्वतंत्रता पूर्व छत्तीसगढ़ का दर्पण है। देखें उनकी पंक्तियां -

किस्सा आप लागन ला, एक सुनावत हौ भाई।
अट्ठारह सौ संतावन के, साल हमर बड़ दुखदाई।
बादशाह बिन राज हमर, भारत मां वो दिन होवत रहिस।
अपन नीचता ले पठान मन, अपन राज ला खोवत रहिस।

पुस्तक समीक्षा

महानदी के धार

कृति के नाव
महानदी के धार

लेखक
चंद्रिका प्रसाद मढरिया

प्रकाशक
आशु प्रकाशन , रायपुर

पुस्तक समीक्षा
कमलेश यादव

मूल्य
एक सौ बीस रुपिया

छत्तीसगढ़ अंचल में छत्तीसगढ़ी के जनजीवन अऊ रहन सहन, खानपान, तीज तिहार ला अपन लेखनी के अंग बनाइस लेखक हा। फेर वोकर जीते जी वोकर लेखन हा प्रकाशित होके हमर बीच आय हे। आपके हर रचना हमर अंचल में गांव गवई के सुंदर चित्रण करथे। ये किताब के विशेषता आय कि हमर अंचल के नंदावत शब्द मन हा ये मेर उजागर होय हावय। देखन ये पंक्ति ला -

परिया में खोजे गीत के बिजहा,
मन के कोठी में हे छबना छबाय,
देखबे ता दिखही हेरबे ता हिंटही,
अइसन धन जेला नई कोनो चोराय।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत समृद्धशाली रहा है। छत्तीसगढ़ को पर्वों की राजधानी कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस तथ्य का प्रमाण पर्वों की बहुलता प्रस्तुत करते हैं। तभी तो लोकमानस यह कहते नहीं थकते।

दान -पुण्य व शुभ कर्मों का पर्व अक्षय तृतीया

वैवाहिक संस्कार के अलावा गृहप्रवेश जैसे मांगलिक कार्यक्रम भी संपादित किए जाते हैं। इसी दिन सतयुग और त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। इसलिए 'अक्षय तृतीया' का अपना अलग ही औचित्य है।

परब विशेष:डा. राघवेन्द्र कुमार 'राज'

अक्षय तृतीया कृषि संसार को समर्पित महापर्व है। बैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि ही 'अक्षय तृतीया' कहलाती है।भौतिक उन्नति के लिए 'अक्षय तृतीया' का विशेष महत्व है। अनुष्ठान व उपासना की पवित्र तिथि 'अक्षय तृतीया' ही है। 'अक्षय तृतीया' को अनंत, अक्षय, अक्षुण्ण फलदायक कहा गया है। 'अक्षय तृतीया' की पावन तिथि पर किया जाने वाला दान और हवन का कभी क्षय नहीं होता और अक्षय फल की प्राप्ति भी होती है।इसीलिए ऋषि-मुनियों ने इस पवित्र तिथि को 'अक्षय तृतीया' के नाम से अभिहित किया है।देवों तथा पितरों के लिए समर्पित कर्म हमें अक्षय अर्थात अविनाशी बनाते हैं।ऐसी मान्यता है कि -इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं।उनका अक्षय फल मिलता है।तभी तो लोकवाणी गूँजा करती है।-

सुनते आये हैं बुजुर्गों की जुबानी।
पूर्वज पाते हैं अकती का पानी।
जिनके आशीष से बसती है । प्रेम की राजधानी।
चलती है हँसी -खुशी ये जिन्दगानी।

पौराणिक आख्यानों के अनुसार- 'अक्षय तृतीया 'की पावन दिवस भगवान विष्णु जी के छठे अवतार भगवान श्रीपरशुराम जी को समर्पित दिवस रहा है।जिसे भगवान श्रीपरशुराम जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। जिसका जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर में हुआ था।'धार्मिक मान्यता के अनुसार -इस दिन माँ गंगा धरती पर पदार्पण की थी।'अक्षय तृतीया' को अबूझ मुहूर्त तिथि मानकर किसान एक ओर अपने खेतों में बीजों का वपन करता है तो दूसरी ओर बच्चों की दुनिया नन्हें गुड्डे -गुड़ियों की विवाह भी रचाते हैं। सारी वैवाहिक रस्मे निभाते देखे जाते हैं।बेटी की बिदाई गीत सुन आँखें सजल हो जाती हैं।-

'बड़ तरी खड़े हे बरतिया। के नीम तरी खड़े हे कहार।
अइसन संइया निरदइया, के चलो चली कहिथे बरात
दाई रोवत हे महल में, कि ददा रोये दरबार।

पौराणिक गाथा के अनुसार

'शाकलनगर में धर्मदास नामक वैश्य निवास करता था। जो स्वभाव से आध्यात्मिक प्रवृति का था। नियमित रूप से देवताओं और ब्राह्मणों का पूजन किया करता था। उन्होंने 'अक्षय तृतीया ' दिन की दान महिमा सुनी।उसने गंगा स्नान कर अपने पितृदेवों का तर्पण किया और विधि- विधान से भगवान की पूजन -अर्चन के बाद ब्राह्मणों को श्रद्धापूर्वक दान किया। पत्नी के द्वारा मना किए जाने के बावजूद वे अहर्निश दान करते रहे। कुछ समय बाद उसकी मृत्यु हुई। उसे पुनर्जन्म में राजयोग की प्राप्ति हुई। फलतः उसे द्वारिका के कुशावती नगर का राजा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जो उनके पिछले जन्म में किए गए दान -पुण्य और शुभ कर्मों का ही सुखद फल था।तब से दान और शुभकर्म किए जाने की प्रथा चली आ रही है।'अक्षय तृतीया ' के दिन इस कथा का श्रवणपान किया जाना चाहिए।इस दिन भगवान विष्णु जी के अलावा देवी लक्ष्मी की उपासना और पूजन -अर्चन की प्राचीन विधान है।जिससे सुख,शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।'अक्षय तृतीया' को ब्राह्मणों को नमक (सेंधा) का दान किया जाना चाहिए।ऐसी प्राचीन मान्यता है कि -इससे पितरों की कृपा प्राप्त होती है। 'अक्षय तृतीया 'शुभ कर्म के साथ सत्याचरण करने का संदेश देती है। अंत में -

यूँ तो जिन्दगी में मर जाता है आदमी।
नश्वर संसार में आता -जाता है आदमी।
पर जो औरों के लिए जीयें जनाब
अपनों के बीच जी जाता है आदमी।

गांव में गूंजती है प्रभु राम का यशगान

गांव की कहानीः लक्ष्मी नारायण लहरे '

छत्तीसगढ़ के नव सृजित जिला सारंगढ़ -बिलाईगढ़ के महानदी किनारे बसा गांव ओड़काकन रामनामी समुदाय का धार्मिक स्थल है। यहां रामनामी समाज चैत रामनवमी के दिन निर्गुण राम की नृत्य, भजन संकीर्तन कर प्रभु राम की भक्ति में भाव विभोर होकर भजन करते हैं । यहां प्रति वर्ष हर रामनवमी को मंदिर में रामनामी समाज का महाबैठक होता है और सभी

क्षेत्र के रामनामी उपस्थित होकर पूरे वर्ष भर की अपनी उपलब्धियों के साथ नए वर्ष की रूप रेखा पर काम करते हैं। ओडकाकन सारंगढ़ जिला मुख्यालय कोसीर नगर से 10 किलो मीटर और सरसिंवा से 15 किलोमीटर दूर महानदी के तट पर रमणीय स्थल है। ओडकाकन में रामनामी समुदाय ने 1949 में इस जगह को केंद्र बिंदु मानकर यहां प्रभु राम की भजन कीर्तन की शुरुआत किए थे। आज इस जगह में प्रभु राम की भजन कीर्तन करते 75 वर्ष हो गए। यह अमृत वर्ष काल है । इस धार्मिक स्थल में प्रभु राम का मंदिर बना है पर मंदिर में मूर्ति नहीं है। पर प्रभु राम की यहां भजन होती है।

लगभग 10 एकड़ में फैले इस गांव में

रामनामी समुदाय मोरमुकुट ,घुंघरू और राम राम की भजन से अलख जगा रहे हैं । माघी पूर्णिमा के दिन शिवरीनारायण शबरी धाम में भी रामनामी समाज इक्कट्ठे होकर प्रभु राम की यशगान करते हैं।

लोक नाट्य

डा. संतराम देशमुख

कला विरासत को आयाम देने वालों में

दाऊ महासिंह चंद्राकर

दाऊ के रूप में प्रतिष्ठित और संपन्न कृषक महासिंह चंद्राकर दुर्ग निवासी बचपन से ही रामलीला, गम्मत, नाचा, रामधुन,कीर्तन और रासलीला के दीवाने रहे।उन्होंने गाने बजाने का ऐसा शौक पाला कि पूरी तरह से जीवन भर इसी में रमे रहे। अपने मूल व्यवसाय को परिवार के जिम्मे छोड़ दिए। दाऊ रामचंद्र देशमुख की चंदैनी गोंदा टीम के कलाकारों कि मेहनत तथा कार्यक्रम की ऊंचाई लगातार बढ़ने काफी प्रभावित हुए, और अलग टीम बनाने में लग गए। इसके बाद अपने लक्ष्य प्राप्ति के कलाकारों की खोजबीन में रात दिन एक कर दिए। अंत में कलाकारों में एकत्र करने में सफल हो गए और सोनहा बिहान लोक मंच की स्थापना की। चंदैनी गोंदा के साथ ही सोनहा बिहान के टीम की चर्चा भी होने लगी। सोनहा बिहान टीम की प्रस्तुति भी सशक्त थी। इसके बाद आपने लोरिक चंदा का भी सफल मंचन करने लगे। आज भी इस कार्यक्रम की प्रस्तुति दूरदर्शन के माध्यम से होते रहती है। इस तरह दाऊ रामचंद्र देशमुख कला जगत में अपनी प्रस्तुति से अमिट छाप छोड़ गए।

पर्यटन

विनोद कुमार पांडेय

मनमोहक छटा कर्मघोंघा का

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ और कोरिया से लगभग 55 कि मी दूरी पर कर्म घोंघेश्वर धाम और रमणीय जलप्रपात है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे होने के कारण यहां वर्ष भर पर्यटक प्रकृति का आनंद लेने यहां पहुंचते रहते हैं। इस स्थल तक पहुंचने के पहले करीब 3 कि मी तक ऊबड़ खाबड़ रास्ते तक पैदल चलना पड़ता है। इस मंदिर में भगवान शंकर विराजमान हैं तथा मूर्ति के सामने हवन कुंड है। इस मंदिर के आसपास अब कई देवी देवताओं के मंदिर निर्मित हो चुके हैं।

मंदिर के पीछे दाई ओर लगभग 25-30 मी की दूरी पर लगभग 100 फीट की दूरी पर पहाड़ी की ऊंचाई से पानी झरने के रूप में वर्ष भर गिरता रहता है। बरसात के दिनों में यह स्थल काफी रमणीय लगता है। पानी गिरने से उठती फुहारें मन को मदमस्त कर देती हैं।

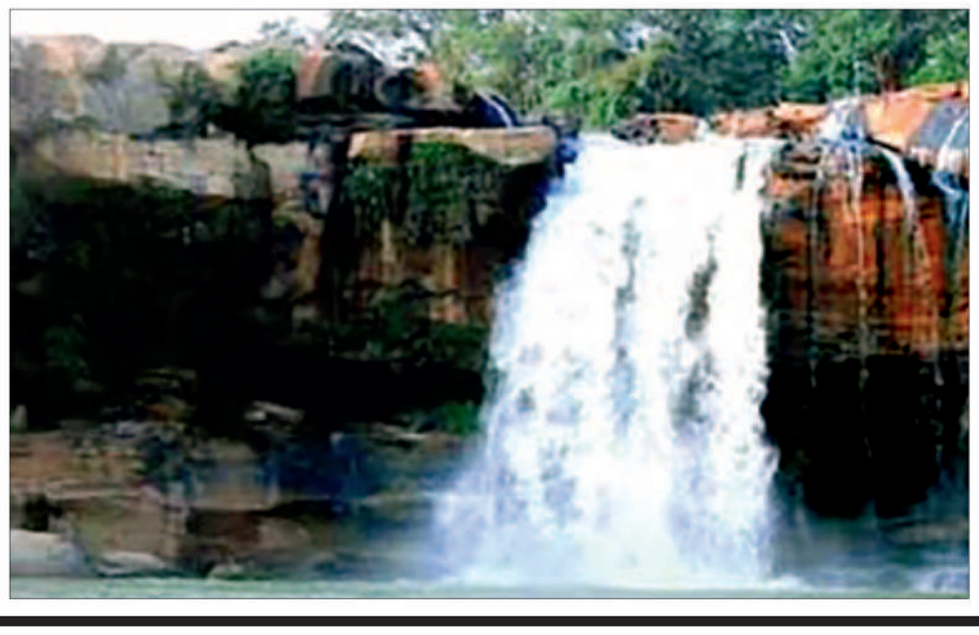

भदोही पुलिस ने 30 लाख रुपए का पोस्ता दूध किया बरामद

10 किलोग्राम पोस्ता के दूध को सुखाकर बनाई जाती अफीम, बैरियर चेकिंग के दौरान राजस्थान के एक व्यक्ति गिरफ्तार

भदोही। भदोही पुलिस ने बैरियर चेकिंग के दौरान पिट्ठू बैग से गैर कानूनी ढंग से ले जाए जा रहे 10 किलोग्राम से अधिक पोस्ता का दूध बरामद किया है। इसका उपयोग अफीम बनाने में किया जाता है। पुलिस ने इसकी कीमती करीब 30 लाख रुपए बताया है। यह सफलता संयुक्त रूप से एफएसटी एवं एसएसटी के साथ पुलिस टीम की वजह से मिली है। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए डॉ0 मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन पर डॉ0 तेजवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के नेतृत्व में पदार्थों की तस्करी की रोकथाम व मादक तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार देर रात्रि में प्रभात राय, क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर के नेतृत्व में थाना गोपीगंज व एफएसटी की संयुक्त पुलिस टीम रामपुर गंगा घाट पर लगे बैरियर पर चेकिंग के दौरान अंतर्राज्यीय मादक तस्कर मूलाराम (44) पुत्र नंगारम निवासी अकदड़ा थाना बायतु जनपद बाड़मेर राजस्थान को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार उसने पिठ्ठू बैग में 10.039 किलोग्राम नाजायज अफीम बनाने के लिए पोस्ता का दूध ले जा रहा था। बरामद पोस्ता का दूध औरंगाबाद, बिहार से सस्ते सस्ते दाम पर खरीद कर सुखाकर, अफीम बनाकर महंगे दामों पर बेचा करता था। पुलिस नाजायज कारोबार में सम्मिलि दूसरे लोगों की खोज में जुट गयीं है। गिरफ्तार आरोपित को मादक द्रव्य अधिनियम की धारा में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है।

रेडक्रास आपदा के लिए हर गाँव में दो वॉलिंटियर तैयार कराए: जिलाधिकारी

भदोही। जिलाधिकारी विशाल सिंह बुधवार कहा कि जाति धर्म से ऊपर उठकर मानवता की सेवा के लिए ही रेडक्रास की स्थापना की गई थीं। रेडक्रास स्वयंसेवकों को ट्रेनिंग देकर हर ग्राम पंचायत में दो वॉलिंटियर तैयार कराए। जिससे लोगों को आपदा के समय पीड़ित लोगों को तुरंत सहायता पहुंच सके। उन्होंने लोगों से कहा कि रेड क्रॉस से जुड़कर जरूरतमंदों का सहयोग करें। रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा भदोही की विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष एवम जिलाधिकारी विशाल सिंह की अध्यक्षता में रेड क्रॉस सोसाइटी परिसर में आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अध्यक्ष जिलाधिकारी ने संस्थापक हेनरी डूयूनेट के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। भदोही जिलाधिकारी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि युवा वर्ग बढ़ चढ़कर इस कार्यक्रम में आगे आए। जिलाधिकारी ने लोकतंत्र महापर्व के अवसर पर कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर बढ़ चढ़कर मतदान करने हेतु अपील की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष कुमार चक ने कहा कि वे रेड क्रॉस द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों को सहयोग देने के लिए हमेशा तैयार हैं। इस अवसर पर डॉक्टर केपी मिश्रा ने रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डू नॉट का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। डा0 भारतेंदु द्विवेदी ने रेड क्रॉस की स्थापना एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यों को प्रस्तुत किया। यमआइ खान ने जनपद में रेड क्रॉस द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष हरेंद्र प्रताप सिंह ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार, अजीता पांडे, डॉ अनिल श्रीवास्तव, आर सी त्रिपाठी सी ए, डॉ डी के श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, आलोक गुप्ता, डॉ विमलेश कुमार पांडे, प्रमोद दुबे, हरकिशन शुक्ला, राजीव गोयल, डॉक्टर ओ पी शुक्ला नोडल रेड क्रॉस, अशोक कुमार गुप्ता, डॉ राजेश कुमार, शकील अहमद, डॉ घनश्याम दास गुप्ता, गौरव चौरसिया, सतीश कुमार एवं शिवचंद उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत बनाना हम-सब की जिम्मेदारी : सीएमओ

प्रखर पूर्वांचल जौनपुर। बुधवार को विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रास जौनपुर ईकाई द्वारा रेडक्रास भवन पर बड़ी संख्या में उपस्थित टीबी मरीजों को पोषण पोटली एवं महिलाओं को पोषण पोटली के साथ ही हाइजिन किट का वितरण किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डा. लक्ष्मी सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री का संकल्प है कि, 2025 तक भारत में टीबी के मरीजों की संख्या समाप्त हो जाय और भारत टीबी मुक्त देश बन जाय । टीबी की बीमारी सही खान-पान व नियमित दवा के सेवन से ठीक हो रही । बड़ी संख्या में लोग टीबी से ठीक हो चुके हैंऔर जो बचे हैं,वह भी 2025 तक सही हो जायेंगे। प्रधानमंत्री का टीबी मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करने में हम सभी के सहयोग की जरूरत है । इसी क्रम में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जौनपुर द्वारा ब्लॉक सिरकोनी के वर्ष 2024 में गोद लिए गए कुल 53 क्षय रोगियों को पोषण किट और हाइजिन किट का वितरण रेडक्रास भवन, जौनपुर में मुख्य चिकित्साधिकारी की उपस्थिति में किया गया। रेडक्रास सोसायटी जौनपुर इकाई के सभापति डा. आर.के. सिंह, एसीएमओ डा.राजीव कुमार, सचिव डॉ. मनोज वत्स, कोषाध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय, डीटीओ राकेश सिंह, डा. अंजू सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर चन्द्रेश द्विवेदी, प्रकांत दूबे, रवि सिंह, डा. एसएन सिंह, डा. विमला सिंह, विद्याधर राय विद्यार्थी, आशीष श्रीवास्तव, सलिल यादव, अरुण मौर्य, बल्लभ सेठ, हर्ष श्रीवास्तव, नितिन चौरसिया आदि उपस्थित रहे ।

पुलिस द्वारा पिस्टल से फायर कर हत्या करने वाले मुख्य अभियुक्त सहित 5 गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल जौनपुर। प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0-166/2024 धारा- 34/302/504/506/336 भा0द0वि0 थाना सरायख्वाजा जौनपुर में वाछिंत/प्रकाश में आये अभियुक्तगण 1. मो0 अरमान पुत्र मो0 सलाम 2.इसरत जहां पत्नी मो0 सलाम 3.कु0 हुसना बानो पुत्री मो0 सलाम समस्त निवासी कयार थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 4.इरफाना पत्नी वहाजुद्दीन निवासी पोटरिया थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर व 5. बालक को गिरफ्तार किया गया ।आवश्यक विधिक कार्यवाही उपरान्त न्यायालय के समक्ष भेजा पेश किया गया जहा से सभी को जेल भेजा गया है घटना का संक्षिप्त विवरणः- थाना सरायख्वाजा अन्तर्गत ग्राम कयार में दिनांक-07.05.2024 को सुबह लगभग 09.00 बजे एजाज पुत्र मो0 फारुफ उम्र करीब 68 वर्ष व अरमान पुत्र सलाम उम्र लगभग 35 वर्ष के बीच जमीन के विवाद को लेकर मारपीट हो गयी। मारपीट के दौरान अरमान ने कट्टे से फायर कर दिया ,जो गोली एजाज के पेट में लग गयी। घायल एजाज को परिजन द्वारा जिला अस्पताल लाया गया,जहाँ पर एजाज की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गयी तथा घटना में दो अन्य को सामान्य चोटें आई ,जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0-166/2024 धारा- 34/302/504/506/336 भा0द0वि0 बनाम नामजद अभियुक्तों के पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है ।

एक नजर इधर भी, जब प्लेटफार्म पर कटी हरकत सुधार की रसीद

प्रखर गाजीपुर। भटनी वाराणसी रेल पथ पर स्थित गाजीपुर जनपद का दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन किसी परिचय का मोहताज नहीं। जहां यात्रा सुगमता की दृष्टिकोण से रेल संसाधन के अलावा परिवहन संसाधन की भी सुलभता है। जिसके चलते चतुर्दिक यात्रा बड़ी आसानी से सम्पन्न होती रहती है। अंग्रेजों के जमाने का दुल्लहपुर रेलवे स्टेशन आज अपने कायाकल्प पर बखूब इतराता है। पहले इलाहाबाद वाराणसी गोरखपुर आदि विश्वविद्यालयों में अच्छी और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा हासिल करने के लिए ट्रेन का ही सहारा था।गीनी चुनी ट्रेन थी। इंतजार में समय काफी जाया करता था।अब तो हर दृष्टिकोंण से संसाधनों की बल्ले-बल्ले है। बुधवार की सुबह जहां एक तरफ टिकट खिड़की पर यात्रियों के लिए खटाखट टिकट की कटाई का कार्य तेजी पर था वहीं दूसरी तरफ प्लेट फार्म पर एक मनचले युवक की अभद्र हरकत से तंग आकर एक अन्य युवक द्वारा हरकत सुधार की रसीद काटने का मामला भी चर्चा में बना रहा। प्रत्यक्षदर्शी मूकदर्शक थे इसलिए की कुछ तो अंदरखाने की हुलिया से अंजान थे और कुछ को आरही ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी थी। इतने में सीटी बजाती ट्रेन प्लेटफार्म पर दस्तक दे दी। देखते देखते यात्री भीड़

कुछ हल्का हो गई । ट्रेन अपने क्षणिक ठहराव के बाद अगले स्टेशन को रवाना हो गई। लेकिन इधर हरकत सुधार की रसीद कटना बंद नहीं हुई। बात कुछ यूं थी, एक क्षेत्रीय युवती अपना शैक्षिक कैरियर बनाने के वास्ते ट्रेन के जरिए दूसरे शहर वाराणसी को आती जाती थी।जिसको एक मंचला युवक गलत इरादे से छेड़छाड़ किया करता था। ट्रेन के जिस डिब्बे में युवती चढ़ती उसी डिब्बे में युवक भी जबरन यात्रियों से धक्का मुक्की कर-के चढ़ जाता और अपनी अभद्रता को अंजाम देता।युवती द्वारा कई बार मना करने के बाद भी मनचले में कोई तब्दीली नहीं आई । इसकी जानकारी युवती ने अपने भाई को? दी। जानकारी पाकर भाई आगबबूला हो गया और अगले दिन बहन को ट्रेन में बैठाने के लिए बहन के साथ ट्रेन के माकूल समय पर प्लेटफार्म पर आधमका। संयोग बस आदत से लाचार मनचला युवक भी पहुंच गया। रोज की तरह युवती के पीछे पड़ा युवक अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और युवती के डिब्बे में जबरिया चढ़ने की कोशिश करने लगा जबकि बगल के डिब्बे में जगह थी। हरकत से खुन्नस खाए बहन के भाई ने आव देखा न ताव चप्पल जूते लात घूसों से हरकत सुधार की रसीद काटनी शुरू करदी। देखने वालों ने कहा जब बहे दूषित हवा, मनचलों की यही दवा।

काशी विद्यापीठ : 30 विद्यार्थी एक्सिस बैंक में असिस्टेन्ट मैनेजर पद के व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चयनित

वाराणसी। कैम्पस प्लेसमेन्ट सेल, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वारा बुधवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ में एक्सिस बैंक के सहयोग से कैम्पस साक्षात्कार का आयोजन किया गया। कैम्पस साक्षात्कार में विश्वविद्यालय के 30 विद्यार्थी एक्सिस बैंक में असिस्टेन्ट मैनेजर पद के व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चयनित हुए। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनन्द त्यागी ने विद्यार्थियों के सफल भविष्य की कामना की तथा साक्षात्कार में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।सेल की निदेशक प्रो. शेफाली वर्मा ठकराल ने बताया कि कैम्पस साक्षात्कार से पहले एक्सिस बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभागी अभ्यर्थियों के साथ प्री-प्लेसमेन्ट टाक की गयी, जिसमे प्रस्तावित पद- असिस्टेन्ट मैनेजर के कार्यक्षेत्र, प्रशिक्षण एवं वेतन-भत्ते आदि की विस्तृत जानकारी दी गयी। इसके बाद अभ्यर्थियों के कम्युनिकेशन टेस्ट तथा एप्टीटयूट टेस्ट हुआ, जिसके अधर पर बैंक द्वारा 30 विद्यार्थियों को अगले चरण के व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए शार्ट लिस्टेड किया गया। इस दौरान प्रो. ठकराल ने कुलपति, कुलानुशासक, एक्सिस बैंक के प्रतिनिधियों व अन्य सभी प्रशासनिक अधिकारियों का स्वागत व आभार प्रकट करते हुए कहा कि कैम्पस प्लेसमेन्ट सेल विभिन्न प्रतिष्ठानों के सहयोग से विद्यार्थियों के प्लेसमेन्ट के लिए ऐसे अवसर निरन्तर उपलब्ध कराता रहेगा। कैम्पस साक्षात्कार में विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर सहित गंगापुर परिसर के 100 से अधिक विद्यार्थी प्रतिभाग किये। इस अवसर पर प्रो. हंसा जैन, प्रो. रमाकान्त, डॉ. दिलीप कुमार सिंह, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. कंचन शुक्ला, डॉ. संतोष कुमार, गंगापुर परिसर के डॉ. अविनाश कुमार सिंह, विश्वविद्यालय सेवायोजन केन्द्र के प्रभारी मदन लाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजन में स्टूडेंट वालंटियर के रूप में मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थी- दिव्या त्रिपाठी, आर्नदिता भट्टाचार्य, हिना, अनिषा व मो. शहबाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाये।

ए०टी०एम० कार्ड बदलकर चोरी कर धोखाधड़ी से एकाउन्ट से पैसे निकालने वाले गिरोह का पर्दाफश

प्रखर वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के चोरी/लूट/ नकबजनी की घटनाओ के सफल अनावरण एवं वांछित फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के निर्देशन में, अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन के पर्यवेक्षण में एव सहायक पुलिस आयुक्त कैट के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य व मुखबिर की सहायता से थाना कैण्ट व एस०ओ०जी० की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा किया गया। बतादे कि मु0अ0सं0-025/24 धारा 379/420/411/413/414 भा०द०वि० थाना कैण्ट कमि० वाराणसी से संबंधित वांछित शातिर अभियुक्तगण में सुजीत कुमार पुत्र मिथलेश सिंह निवासी बाना खिजरसराय जनपद गया (बिहार), 2. गुलशन कुमार पुत्र टुनटुन सिंह ग्राम रोसना पोस्ट फतेहपुर रोसाना जनपद गया फतेहपुर (बिहार), 3. अभिषेक कुमार पुत्र सुभाष सिंह ग्राम मतासो पोस्ट एकमला थाना फतेहपुर जनपद गया (बिहार) को दिनांक-07.05.2024 को समय करीब 17.20 बजे सनबीम वरूणा स्कूल से पहले गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से कुल चोरी धोखाधड़ी के कुल 13 अदद अलग-अलग बैंकों के ए०टी०एम० कार्ड, 04 अदद फेवीक्विक, एक अदद फोन-पे बिजनेस ए०टी०एम० स्वाईप मशीन, घटना में प्रयुक्त 04 अदद मोबाईल फोन व एक अदद चार पहिया वाहन तथा अलग-अलग घटनाओं से प्राप्त रूपयों में से खर्च के बाद बचे शेष 1110/- रुपए नकद बरामद हुए। उक्त गिरफ्तारी/बरादमगी के सम्बन्ध में थाना कैण्ट पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्तगण का ए०टी०एम० धोखाधड़ी का एक गिरोह है जो मिलकर दिल्ली, उत्तर देश, उत्तराखण्ड, हरियाणा आदि राज्यों में विभिन्न शहरों मे रेनॉल्ट ट्यूबर चार पहिया गाड़ी से बैंकों की टी०एम० मशीनों पर साथ मिलकर घटना कारित करते हैं। एक व्यक्ति ए०टी०एम० के बाहर खड़ा रहता है तथा व्यक्ति ए०टी०एम० के अन्दर रहते हैं, समयानुसार अगर कोई ग्राहक ए०टी०एम० के बारे में कम जानकारी रहती जो उसको अभियुक्तगण सहयोग का बहाना बनाकर धोखाधड़ी से ए०टी०एम० कार्ड बदल लेते हैं। जब ये लोग टी०एम० कार्ड बदलकर धोखाधड़ी नहीं कर पाते हैं तो सभी लोग किसी ग्राहक के पैसे निकालने से पहले इन में में से कोई न कोई उसके आगे खड़ा रहता है तथा ग्राहक को बातों में उलझाकर ए०टी०एम० मशीन में कार्ड लगाने वाले स्थान पर कार्ड की मदद से फेवी क्विक लगा देता है, जब ग्राहक ए०टी०एम० मशीन में अ लगाता है और सारी प्रक्रिया पूरी करता है तो पीछे खड़े अभियुक्त द्वारा पिन देख लिया जाता है उसके वाले व्यक्ति को परेशान करने की नीयत से कि हमें भी पैसा निकालना है, जल्दी करो जल्दी करो, ऐसी ही मे उलझाकर जल्दी ए०टी०एम० कार्ड निकालने की बात बोला जाता है जिससे वह ग्राहक ए०टी०एम० कार्ड निकालने का प्रयास करता है किन्तु फेवी क्विक लगा होने के कारण ए०टी०एम० कार्ड नहीं निकलता है तो सभी लोग गार्ड को बुलाने के लिए उस ग्राहक को ए०टी०एम० से बाहर भेज देते हैं तभी मौका देखकर उस ए०टी०एम० मशीन में फंसे ए०टी०एम० कार्ड को पिलास की मदद से खींचकर बाहर निकाल लेते हैं और फिर उस ए०टी०एम० कार्ड को लेकर तुरन्त हट कर किसी दूसरी ए०टी०एम० मशीन से उक्त कार्ड का प्रयोग कर पैसा निकाल लेते हैं और आपस में बांट लेते हैं।

आधुनिक समय मे कम्प्यूटर की शिक्षा आवश्यक : सफफु भाई

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। आज के इस आधुनिक समय मे कम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान बहुत ही आवश्यक है।कम्प्यूटर की शिक्षा छात्र और देश के विकास में अहम योगदान पेश कर अपना और माँ बाप के साथ साथ विद्यालय और देश का मान सम्मान बढ़ा सकता है। कम्प्यूटर शिक्षा के साथ साथ नैतिक ज्ञान भी जरूरी है ताकि बच्चों के अंदर आदर सम्मान की भावना पैदा की जा सके। उक्त बातें बुधवार को नगर के इराकियाना स्थित रॉयल कैम्ब्रिज स्कूल के प्रबंधक शफअत अशफाक उर्फ सफ्फु भाई ने विद्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। श्री सफ्फु ने कहा की हम बुनियादी शिक्षा पर अधिक बल देते है क्योंकि जब बुनियाद मजबूत रहेगी तो आगे चल कर बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना नही करना पड़ेगा। हम नैतिक, कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर, फाइल पद्धति, एवं खेल टेक्निक से भी बच्चों को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा गरीब बच्चों को

निशुल्क कॉपी, किताब,फीस आदि की व्यवस्था के साथ साथ आरक्षण का लाभ देने का काम किया जाता है। बतातें चले रॉयल कैम्ब्रिज स्कूल अल्प समय मे ही शिक्षा जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाती जा रही है।और बच्चों के शिक्षण कार्य हेतु बेहतर शिक्षण संस्थान के रूप में तेजी से उभरा है।

संक्षिप्त खबरें

कुलपति ने फामेर्सी परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में चल रही सेमेस्टर परीक्षाओं के तहत बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो वंदना सिंह ने फामेर्सी संस्थान का औचक निरीक्षण किया। कुलपति प्रो वंदना सिंह ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, सिटिंग प्लान, कक्ष निरीक्षकों की संख्या के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। फामेर्सी में बुधवार को बीफार्मा आठवें सेमेस्टर की बायोस्टेटिस्टिक्स एंड रिसर्च मेथाडालाजी और चौथे सेमेस्टर की फार्मास्टिकल आर्गेनिक केमिस्ट्री की परीक्षा थी। फामेर्सी संस्थान के निरीक्षण में कुलपति संतुष्ट दिखीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के संबंध में जो भी दिशा निर्देश समय-समय पर जारी किए गए हैं उनका कड़ाई से पालन किया जाए। परीक्षा सुचितापूर्ण होनी चाहिए।

दहेज में मोटरसाइकिल की मांग को लेकर विवाहिता के पिता ने ससुरालियों पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

प्रखर गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के एक गांव की एक विवाहिता के पिता ने थाना पुलिस को तहरीर देकर ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट कर बेटी को घर से बाहर निकालने का मुकदमा दर्ज कराया है। सहजनवां थाना क्षेत्र के एक गांव के विवाहिता के पिता ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि हमने अपने बेटी की शादी तीन वर्ष पहले हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मझौरा निवासी अर्जुन यादव पुत्र राम सेवक यादव के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ किया था, शादी में सामर्थ्य के हिसाब से दान दहेज भी दिया था, लेकिन शादी के बाद जबसे हमारी लड़की ससुराल में गई तभी से पति अर्जुन, ससुर राम सेवक, सास सोना देवी, ननद प्रेमशीला मोटरसाइकिल के लिए हमारी लड़की को हमेशा प्रताड़ित करते रहते हुए मारपीट कर घर से निकाल दिए। इस संबंध में थानाध्यक्ष विशाल कुमार उपाध्याय ने बताया कि विवाहिता के पिता रामनयन यादव की तहरीर पर पति, ससुर ,सास और ननद के खिलाफ आईपीसी की धारा 498ए, 323,506, दहेज प्रतिषेध अधिनियम मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली कारोबारी की लाश

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो।जनपद महराजगंज के कोठीभार थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में बंद कमरे में मिली युवक की लाश ।परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल।प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार कोठीभार थाना क्षेत्र के बालहीखोर में एक बड़े व्यापारी का शव दुकान के अंदर बंद कमरे में मिला घर वालों ने इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी ।पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर शव को घर से बाहर निकाला। युवक की पहचान गणेश इंटरप्राइजेज के मालिक रामानंद जायसवाल के रूप में हुई।प्रथम दृष्टि से यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में कोठीभार उपनिरीक्षक उमाकांत सरोज ने बताया कि घर के अंदर व्यापारी का शव मिला।युवक की मौत कैसे हुई पुलिस द्वारा शवपंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही अग्रीम कार्यवाही की जायेगी।

छात्राओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने किया जागरूक

प्रखर वाराणसी। मिजार्मुराद गौर गांव स्थित स्व.वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय में महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को सुरक्षा को लेकर जागरूक किया।प्रशिक्षु महिला एसआई अनुजा गोस्वामी व महिला कांस्टेबल दीप्ति त्रिपाठी ने छात्राओं को लोकतंत्र के महावपर्व लोकसभा चुनाव के दौरान शत प्रतिशत मतदान करने को लेकर सभी को शपथ दिलाई। महिला एसआई अनुजा गोस्वामी ने छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही नियमो का पालन करने की अपील की। इसके साथ ही सोशल मीडिया, टेलीग्राम, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक को सावधानी से उपयोग करने और सोशल मीडिया पर अपनी गोपनीयता बनाये रखने एवं लुभावने ऑफर को नजर अंदाज करने भी की समझाइश दी। छात्रों को कानून की जानकारी देने के साथ ही पुलिस कार्रवाई के बारे में भी बताया गया। महिला सुरक्षा संबंधी कानून की जानकारी दी गई। इसके साथ ही सायबर हेल्पलाईन, चाईल्ड हेल्पलाईन, महिला हेल्पलाईन, प्रदेश में महिलाओं पर घटित अपराधों से बचाव के बारे में बताया गया।इस दौरान महाविद्यालय के प्रबंधक व भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, प्राचार्य डॉ. आशुतोष उपाध्याय, योगेश सिंह, अपर्णा विश्वकर्मा, प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', गौरव उपाध्याय, डॉ. अंजना सिंह, मुकेश यादव, अमृता सिंह, स्वेता, फौजिया बानो, अनिता सिंह, रामजी यादव, राजेश सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं